जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 77 प्रभात कोटा, सोमवार 30 दिसम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

द. कोरिया में विमान दुर्घटना, 179 लोगों की मौत

उतरते समय विमान का लैंडिंग गियर फेल हो गया था, विमान फिसलते हुए दीवार से टकराया

- ''जेजू एयर'' का बोइंग विमान पूरी तरह नष्ट हो गया। मलबे के बीच केवल ''टेल असेम्बली'' पहचानी जा सकती है।
- विमान की आग पर काबू पाने के लिये दमकल की 32 गाड़ियाँ और कई हेलीकॉप्टर तैनात किए गये। घटना स्थल पर 1500 से अधिक अधिकारी व सैनिक आदि बचाव कार्य में लगे।

सियोल, 29 दिसंबर। दक्षिण कोरिया के भीषण विमान हादसे में मौतों का आंकड़ा अब 179 पहुंच गया है। विमान में कुल 181 यात्री सवार थे। इसमें से सिर्फ 2 लोग ही जीवित बच सके हैं। उनकी हालत भी गंभीर बनी हुई है। यह हादसा साउथ कोरिया के मुआनहवाई अड्डे पर रविवार को उस वक्त हुआ, जब विमान का लैंडिंग गियर उतरते समय फेल हो गया और अचानक वह दीवार की फेंसिंग से टकरा गया। इससे यात्री विमान में आग लग गई। इस घटना में कम से कम 179 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह देश में अब तक हुए सबसे वीभत्स हवाई हादसों में से एक है। देश की राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि बचाव दल मुआन शहर स्थित इस हवाई अड्डे पर 'जेजू एयर' यात्री विमान से लोगों को निकालने की कोशिश में जुटा हुआ है। विमान में 181 यात्री सवार थे। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि विमान 15 वर्ष पुराना बोइंग 737-800 जेट था, जो बैंकॉक से लौट रहा था और दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर हुई। अग्निशमन एजेंसी ने बताया कि आग लगने की घटना में कम से कम 179 लोगों की मौत हो गई।

बचाव दल ने दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, जो चालक दल के सदस्य थे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि वे होश में हैं। अग्निशमन एजेंसी ने आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 32 गाड़ियों और कई हेलीकॉप्टर तैनात किए। एजेंसी के मुताबिक, करीब 1,560 अग्निशमन कर्मी, पुलिस अधिकारी, सैनिक और अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर हैं। वाईटीएन टेलीविजन द्वारा प्रसारित एक फुटेज में 'जेजू एयर' विमान हवाई पट्टी पर फिसलकर एक कंक्रीट की दीवार से टकराता हुआ दिखता है। अन्य स्थानीय टीवी चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में विमान से काले धुएं का गुबार निकलता दिखा। मुआन अग्निशमन केन्द्र के प्रमुख ली जियोंग-ह्योन ने संवाददाताओं से कहा कि विमान पूरी तरह से नष्ट हो गया है और मलबे के बीच केवल 'टेल असेंबली' ही पहचानी जा सकती है।

ली ने बताया कि कर्मचारी दुर्घटना के कारणों के बारे में विभिन्न संभावनाओं की जांच कर रहे हैं। इसमें विमान के पक्षियों से टकराने के पहलू की भी जांच की जा रही है।

परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि संचार रिकॉर्ड के उनके शुरुआती आकलन से पता चला कि हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर ने विमान को उतरने से कुछ समय पहले पक्षियों के टकराने की चेतावनी जारी की और पायलट को एक अलग क्षेत्र में उतरने की अनुमति दी।

अधिकारियों ने कहा कि पायलट ने दुर्घटना से पहले संकट संकेत भेजा था। परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जू जोंग-वान ने बताया कि कर्मचारियों ने विमान के ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर को निकाल लिया है और 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग' उपकरण की तलाश की जा रही है। मुआन में आपातकालीन अधिकारियों ने कहा कि विमान के 'लैंडिंग गियर' में खराबी आ गई थी।

पंजाब पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

चंडीगढ़ 29 दिसंबर। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) - इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई-पाकिस्तान) द्वारा समर्थित एक पाक प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जो ग्रेनेड हमलों के लिए जिम्मेदार है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि बटाला पुलिस ने घनी के बांगर पुलिस स्टेशन, बटाला और वडाला बांगर पुलिस पोस्ट,

- गिरफ्तार आतंकियों ने थानों पर ग्रेनेड से हमले किये थे। वे बब्बर खालसा और पाकिस्तानी आई.एस.आई. के सम्पर्क में थे।

गुरदासपुर पर ग्रेनेड हमलों के दो हाई-प्रोफाइल मामलों को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अथक प्रयासों के बाद, आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया , जिसमें मास्टरमाइंड अभिजोत सिंह भी शामिल है, जो आर्मेनिया में रहते हुए विदेशी हैप्पी पासियन और शमशेर उर्फ हनी के निर्देशों पर काम कर रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनवरी के अंत तक बन सकता है भाजपा में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

एम.पी., महाराष्ट्र, यू.पी., गुजरात, प.बंगाल, जम्मू-कश्मीर व झारखंड में 15 जनवरी तक अध्यक्ष बनेगा

- यह माना जा रहा है कि सभी राज्यों तथा जिलों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया 15 जनवरी तक पूरी हो जायेगी। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक में चुनाव कार्यक्रम की समीक्षा की।

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। भाजपा में जल्द ही संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल होने वाला है। नए साल में जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले हफ्ते में पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। भाजपा नेता पीटी कुंजांग ने कहा कि 15 जनवरी तक राज्य और जिला अध्यक्षों के चुनाव पूरे होंगे। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी के अंत या फरवरी के पहले हफ्ते में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी।

भाजपा की नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में रविवार को संगठन चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, सभी महासचिव, सभी प्रदेश अध्यक्ष और सभी प्रदेश महासचिवों के साथ-साथ संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के प्रमुख और सह प्रमुख शामिल हुए। बैठक के बाद कुंजांग ने बताया कि बैठक में संगठन की चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड को 15 जनवरी तक नए अध्यक्ष मिल सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। हालांकि, लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था।

कुंजांग ने बताया कि पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को पूरे एक साल तक मनाने का फैसला किया है। उनकी 100 वीं जयन्ती को यादगार बनाने के लिए भाजपा इसे पूरे एक साल तक सुशासन पर्व के तौर पर मनाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी फैसला लिया गया कि पार्टी कांग्रेस के बीआर आंबेडकर के अपमान के आरोप के जवाब में संविधान पर्व भी मनाएगी।

भाजपा अपने संगठन में युवाओं को महत्व देने के लिए पहले ही आयु सीमा तय कर चुकी है। इसके लिए जिलों के भीतर बनाए जाने वाले मंडल अध्यक्ष की उम्र 35 से 45 साल के बीच निर्धारित की गई है।

वहीं, जिलाध्यक्ष की उम्र 45 से 60 साल के बीच होगी। जिलाध्यक्ष के लिए संगठन में 7 से 8 साल तक काम करने का अनुभव भी जरूरी किया गया है। इनका चुनाव 15 जनवरी तक पूरा कराए जाने का लक्ष्य है।

लगातार दो बार मंडल अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष रह चुके व्यक्ति को तीसरी बार मौका नहीं मिलेगा। साथ ही तय हुआ है कि संगठन के किसी पद पर काम कर रहे व्यक्ति को ही जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा।

ओडिशा की बाघिन भटक कर बंगाल पहुँची

कोलकाता, 29 दिसंबर। ओडिशा के सिमलीपाल जंगल से भटक कर पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में पहुंची बाघिन जीनत को रविवार सुबह बेहोश करने की कोशिश नाकाम रही। अधिकारियों ने बताया कि बाघिन को

- कई प्रयासों के बावजूद वन अधिकारी बाघिन को बेहोश कर पकड़ नहीं पाये
- मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, दोहरा जाल बना कर बाघिन को घेरा गया, फिर जाल की परिधि को छोटा किया गया। बेहोशी की दवा का असर नहीं होने पर कुछ समय अभियान रोका गया।

बेहोश करने के लिए उसे दवा दी गई, लेकिन बार-बार प्रयास करने के बावजूद वह बेहोश नहीं हो पाई। एक अधिकारी ने बताया कि पशु चिकित्सकों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में साल का सबसे बड़ा हिमपात

माउन्ट आबू में तापमान में 8 डिग्री की गिरावट रही

- हिमाचल प्रदेश में बर्फीले तूफान से रोहतांग में तीन फीट से ज्यादा बर्फ जमी। पिछले चौबीस घंटों में श्रीनगर में 8 इंच , सोनमर्ग में 8 इंच तथा पहलगाम में 18 इंच बर्फ गिरी।

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई है। दिल्ली में इस समय कड़ाके की ठंड का अहसास हो रहा है और मौसम विभाग ने आज भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट मुख्य रूप से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लिए है, जहां बारिश, ओलावृष्टि और ठंडी हवाओं के कारण तापमान और भी गिर सकता है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी से हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो गए हैं।

उत्तर भारत में आज से शीतलहर शुरू होने की आशंका है। पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ , राजस्थान के अलग-अलग स्थानों में 29-30 दिसंबर के दौरान देर रात और सुबह के दौरान घने से बहुत घना कोहरा रहने की आशंका जताई जा रही है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों पर साल का सबसे भारी हिमपात हुआ।

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में इस समय घना कोहरा देखा जा रहा है। कोहरे की चादर ने इन राज्यों में ठंड को और बढ़ा दिया है, जिससे सर्दी का अहसास और भी तेज हो गया है। राजस्थान माउंट आबू के तापमान में 8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

'पंजाब में 106 ट्रेनें रद्द

फगवाड़ा, 29 दिसंबर। विभिन्न किसान संगठनों के 'पंजाब बंद' के आ ान के कारण, उत्तर रेलवे ने सोमवार को पंजाब में 106 मेल, एक्सप्रेस या सुपरफास्ट ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। रेलवे अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए रविवार शाम को इस संवाददाता को बताया कि इस आशय का निर्णय आज दोपहर लिया गया और पंजाब के सभी संबंधित रेलवे अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश ट्रेनें सोमवार को केवल अंबाला और दिल्ली या

- यह कदम किसान संघटनों के ''पंजाब बंद'' के आव्हान को मद्देनज़र रखते हुए उठाया गया। सोमवार को केवल अंबाला और दिल्ली/सहारनपुर की ओर से ही ट्रेनें चलेगी।

सहारनपुर की ओर से ही चलेंगी।

इस बीच, सोमवार को सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक सड़क और रेल यातायात स्थगित रहेगा क्योंकि इस दौरान पीआरटीसी सहित, बस ऑपरेटर और टैक्सियां भी नहीं चलेंगी। सब्जी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली पुलिस ने 15 अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजा

दिल्ली पुलिस की जाँच से सामने आया है कि कई बांग्लादेशी व रोहिंग्या भारत में फर्ज़ी कागज़ात बनावाकर रह रहे हैं

- जाँच के अनुसार, अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या अप्रवासियों के पास से फर्ज़ी भारतीय आधार कार्ड भी प्राप्त हो रहे है।
- दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को भी पकड़ा है, जो अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को फर्ज़ी कागज़ात दिलाने में मदद करता है।

नई दिल्ला, 29 दिसंबर। दिल्ली की साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने 7 बांग्लादेशियों को पकड़कर डिपोर्ट कर दिया है। पकड़े गए बांग्लादेशियों में 5 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा, साउथ वेस्ट जिला पुलिस ने भी 8 बांग्लादेश निवासियों को डिपोर्ट किया है। साउथ डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने झुग्गी झोंपड़ी और संदिग्ध इलाकों में सर्च आपरेशन चलाया था।

चेकिंग के दौरान संदिग्धों के वोटर आईडी और आधार कार्ड चेक किए गए। गिरफ्तार बांग्लादेशियों में से मोहम्मद उमर फारूक और रियाज़ मियां की गिरफ्तारी अर्जनगढ़ मेट्रो स्टेशन के पास से हुई है। इसके अलावा, दिल्ली के वसंत कुंज थाना इलाके में रह रहे आठ बांग्लादेशियों को भी पुलिस ने पकड़कर वापस बांग्लादेश भेज दिया है।

जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि अधिकतर बांग्लादेशियों के भारतीय आधार कार्ड बन चुके हैं।

दिल्ली पुलिस राजधानी में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ ऑपरेशन चला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ : शराब घोटाले में ई.डी. ने छापे मारे

पूर्व आबकारी मंत्री लखमा, उनके पुत्र व करीबियों के पाँच ठिकानों पर छापे मारे गये

- पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा, मैं अनपढ़ हूँ। अधिकारी जो फाइल लाते, मैं उस पर सिर्फ दस्तखत करता था। अधिकारी ही कागज को पढ़ते-लिखते थे।

रायपुर, 29 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पांच जगहों पर 15 घंटे तक छापेमारी की। इसमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, बेटे हरीश लखमा और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की गयी। इस दौरान ईडी ने कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। वहीं, कवासी और उनके बेटे समेत कुछ लोगों को समन जारी किया है। छापेमारी के दूसरे दिन कवासी लखमा ने कहा कि सोमवार को उन्हें और उनके बेटे को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

उन्होंने कहा, ई डी का छापा राजनीति से प्रेरित है। विधानसभा में सरकार के खिलाफ बोलने और बड़े घोटाले को उजागर करने पर छापा मारा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बदनाम करने की राजनीति कर रही है। मुझे एपी त्रिपाठी जैसे अधिकारियों ने अंधेरे में रखा। मैं अनपढ़ हूं। अधिकारियों ने गड़बड़ी की है। अधिकारी जो दस्तखत लेकर आते थे, उस पर मैं सिर्फ दस्तखत करता था। अधिकारी ही कागज को पढ़ ते लिखते थे। मेरे घर से एक कागज तक नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि मुझे इस घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझसे संपत्ति की जानकारी मांगी गई है। मैंने समय मांगा है, पूरी जानकारी दूंगा। ईडी के अधिकारी बेटे और मेरा मोबाइल अपने साथ ले गए हैं। उन्होंने मुझ से घोटाले के बारे में भी पूछताछ की।

उन्होंने कहा कि मुझे इस घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कल शाम आठ बजे तक ईडी की टीम थी। मेरे घर से एक कागज का टुकड़ा तक नहीं मिला। बेड बिस्तर, चूल्हा सभी जगह जांच लिए। मुझ से संपत्ति की जानकारी मांगी है। घोटाले का मास्टर माइंड एपी त्रिपाठी है।

ई डी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के 20,000 करोड़ रुपये के कतिथ शराब घोटाला मामले में अगल-अलग जगहों पर छापे मारे। इस दौरान, एजेंसी ने रायपुर में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के ठिकानों पर भी छापा मारा। ई डी ने कवासी लखमा के पूर्व ओएसडी जयंत देवांगन सहित अन्य करीबियों पर भी छापा मारा। कोई 15 घंटे तक चली कार्रवाई में ई डी ने लखमा के ठिकानों से कई दस्तावेज जब्त किए हैं। इधर, ई डी की कार्रवाई को लेकर पहली बार कवाली लखमा का बयान सामने आया।

नवी मुंबई में पहली सफल लैंडिंग से नियमित उड़ानों का रास्ता खुला

नवी मुंबई, 29 दिसंबर। अदानी समूह द्वारा विकसित किया जा रहे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के

- नव विकसित हवाई अड्डे को सभी सत्यापनों के बाद केवल परिचालन लायसेंस का इंतजार।

परिचालन की तैयारी के सत्यापन के लिए रविवार को पहली वाणिज्यिक उड़ान का सफलतापूर्वक परिचालन आयोजित किया। समूह का कहना है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है। उसे अब विनियामक से लाइसेंस की प्रतीक्षा है। नव विकसित हवाई अड्डे पर उड़ानों के आवागमन में सहायक प्रणालियों और सुविधाओं के सत्यापन पहले ही किया जा चुके थे। वाणिज्यिक उड़ान की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिन्हें हम हीन या नीच बनाये रखते है वो भी क्रमशः हमे हेय और दीन बना देता हैं। –टैगोर

सोशल मीडिया: वैचारिक दृढ़ता बनाम असहिष्णुता

अब भारतीय समाज का बहुत बड़ा हिस्सा किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेट्फॉर्म का प्रयोग करने लगा है। कम्प्यूटर का चलन बढ़ने, मोबाइल के स्मार्ट हो जाने और इण्टरनेट के सस्ता तथा अधिक सुलभ हो जाने से इस प्रयोग में बहुत तेज़ी से वृद्धि हुई है। बहुत सारे लोग हैं जो इसका प्रयोग अपने सामाजिक–पारिवारिक रिश्तों के निर्वाह के लिए करते हैं। वे अपने सुख–दुख की बातें करते हैं, अपने हर्ष और विषाद की ख़बरें साझा करते हैं और आवश्यकतानुसार अपनी खुशी और संवेदनाओं का आदान–प्रदान करते हैं। किसी को कुछ हासिल हुआ तो बधाई और किसी ने कुछ खोया तो संवेदनाएं। सोशल मीडिया की वजह से बधाइयों का आदान–प्रदान खूब होने लगा है। बिना किसी ख़ास प्रयत्न के हमें अपनों के जन्म दिन की सूचनाएं मिल जाती हैं और हम भी प्राय: बिना कोई प्रयास किए, किसी उपलब्ध टेम्पलैट का प्रयोग करके, या किसी इमोजी के माध्यम से अपनी शुभ कामनाएं दे देते हैं। यह सोशल मीडिया का सात्विक और निरापद उपयोग है।

इसका लगभग ऐसा ही उपयोग साहित्य और कलाओं की दुनिया के लोग भी करते हैं। वे अपनी नई किताब के प्रकाशन की सूचना देते हैं, अपने लेख, कविता आदि के छपने की या अपने कंसर्ट के आयोजन की ख़बर देते हैं। बहुत बार लोग अपनी रचनाशीलता की बानगी भी यहां दे देते हैं, मसलन कोई कवि अपनी कविता पोस्ट कर देता है या कोई गायक अथवा चित्रकार अपनी कला का एक अंश साझा कर देता है। अगर किसी को कोई पुरस्कार, सम्मान आदि मिलता है तो उसकी ख़बर हमें इस माध्यम से मिल जाती है और सम्बद्ध व्यक्ति तक हम भी अपनी बधाई पहुंचा देते हैं। यह माध्यम बहुत बार दुखद समाचार भी हम तक पहुंचाता है। किसी साहित्यकार, कलाकार के बीमार होने या उसके दिवंगत होने की ख़बर भी इसी माध्यम से हम तक पहुंचती है। यहीं यह बात उल्लेखनीय है कि मुद्रण व अन्य संचार माध्यम बहुत बार ऐसी ख़बरों की अनदेखी कर जाते हैं। तो यह भी सोशल मीडिया का एक सात्विक व निरापद उपयोग ही है। लगभग मैंने इसलिए कहा कि इसका उपयोग करते हुए बहुत सारे लोग आत्म प्रचार की अति कर जाते हैं, और बहुत बार प्रतिक्रिया स्वरूप उनको पसंद न करने वाले ऐसी टिप्पणियां भी कर जाते हैं जिनकी वजह से यह उपयोग सात्विक नहीं रह जाता है। लेकिन ऐसा अधिक नहीं होता है।

सोशल मीडिया का तीसरा उपयोग वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए होता है। मान लीजिए, किसी विषय पर –चाहे वह राजनीतिक हो, धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो, सामाजिक हो या कोई और हो– आपके कुछ ख़ास विचार हैं। आप उन विचारों को सोशल मीडिया के माध्यम से दूसरों तक पहुंचाते हैं। इधर मुद्रण माध्यमों और दृश्य माध्यमों की प्रकृति में आए बदलाव के कारण वहां वैचारिक अभिव्यक्ति के लिए स्थान संकुचित हुआ है। ऐसे में सोशल मीडिया एक सशक्त विकल्प के रूप में सामने आया है। यहां न तो स्थान का अभाव है और न (लगभग) कोई सेंसर। आप जो चाहें और जैसे चाहें उस तरह अपनी बात कह सकते हैं। एक तरह से यह अभिव्यक्ति की आज़ादी की पराकाष्ठा है। अब, पराकाष्ठा के अपने ख़तरे भी होते हैं और वे ख़तरे यहां साफ़–साफ़ दिखाई भी देते हैं। बहुत बार लोग अपनी बात कहते हुए शालीनता की सीमाओं का खुला उल्लंघन कर बैठते हैं। वे इस बात को समझने से पूरी तरह इंकार करते हैं कि अपनी बात शालीनता से भी कही जा सकती है। जब ऐसा होता है तो स्वाभाविक ही है कि इसकी प्रतिक्रिया भी होती है, और बहुत बार प्रतिक्रिया भी उतनी ही या उससे भी ज़्यादा अशालीन होती है। तब संवाद विवाद में तब्दील हो जाता है। और ऐसा केवल अशालीन अभिव्यक्ति के मामले में ही नहीं होता है। बहुत बार यह भी होता है कि आप तो शालीनता से अपनी बात कहते हैं लेकिन जो उससे असहमत होते हैं वे अपनी प्रतिक्रिया में अशालीन हो जाते हैं। विशेष रूप से राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों पर चर्चा में इधर ऐसा ज़्यादा होने लगा है।

सोशल मीडिया की वजह से बधाइयों का आदान-प्रदान खूब होने लगा है। बिना किसी ख़ास प्रयत्न के हमें अपनों के जन्म दिन की सूचनाएं मिल जाती हैं और हम भी प्रायः बिना कोई प्रयास किए, किसी उपलब्ध टेम्पलैट का प्रयोग करके, या किसी इमोजी के माध्यम से अपनी शुभ कामनाएं दे देते हैं। यह सोशल मीडिया का सात्विक और निरापद उपयोग है।

हममें से बहुत सारे लोग इस बात को समझ पाने में असमर्थ हैं कि जितना हम अपने विचारों पर दृढ़ रहने को आज़ाद हैं उतना ही आज़ाद वह भी है जिसके विचार हमारे विचारों से भिन्न हैं। समझ का यही अभाव बहुत सारी समस्याओं के मूल में है। हम सारी दुनिया को एक रंग में, और वह रंग हमारी ही पसंद का हो, रंगा हुआ देखना चाहते हैं। यह जीवन में भी होने लगा है और सामाजिक मीडिया पर भी हो रहा है। कुछ लोग इसे वैचारिक ध्रुवीकरण का भी नाम देते हैं। मुझे यह ध्रुवीकरण से भी अधिक असहिष्णुता का मामला लगता है। हम अपने से भिन्न को स्वीकार करने और बने रहने देने को ही तैयार नहीं हैं। हम चाहते हैं कि सभी वैसा ही सोच रखें जैसा हमारा है। यह बात राजनीति, धर्म, वेशभूषा आदि सारे मामलों में होती जा रही है। यह कह पाना कठिन है कि समाज ऐसा होता जा रहा है इसलिए सोशल मीडिया भी ऐसा हो रहा है या सोशल मीडिया समाज को अपने सांचे में ढाल रहा है। लेकिन इतना निश्चित है कि ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत को अनेकता में एकता का देश कहा जाता रहा है। विविधता हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग रही है। शायर सरशार सैलानी ने क्या खूब कहा है: ''**चमन में इख़्तिलात-ए-रंग-ओ-बू (रंग और गंध का मेल-जोल) से बात बनती है/ हम ही हम हैं तो क्या हम हैं तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो।**'' लेकिन इधर सारा ज़ोर आग्रह जैसे 'हम ही हम' पर हो रहा है। सोशल मीडिया पर तो जैसे घमासान होने लगा है। अगर किसी ने कुछ कह दिया तो उससे भिन्न सोच वाले उस पर बड़ी बेरहमी से टूट पड़ते हैं। बात तर्क और तथ्यों की नहीं की जाती है। अभद्र भाषा को हथियार बनाकर दूसरे पक्ष की आवाज़ को दबाया जाता है। बहुत थोड़े से लोग ऐसे भी हैं जो ईंट का जवाब पत्थर से देते हैं, अन्यथा अधिकांश लोग मैदान छोड़ कर हट जाते हैं और यही वे लोग चाहते भी हैं। ईंट का जवाब पत्थर से देना भी कोई अच्छी बात नहीं है। लेकिन ऐसा करने वालों के पास भी अपने तर्क होते हैं। पहला तर्क तो यही कि उन्हें ऐसा करने के लिए विवश किया गया है। ऐसे में बहुत सारे लोग यह भी सलाह देते हैं कि सोशल मीडिया पर किसी तरह का नियंत्रण अवश्य होना चाहिए। लेकिन सवाल यह उठेगा कि नियंत्रण किसका हो? वैसे तो अभी भी थोड़ा बहुत नियंत्रण है। कुछ नियंत्रण स्वयं इन माध्यमों का है, जिसे लेकर बहुत सारी असहमतियां भी व्यक्त की जाती हैं। मसलन यह कि ये माध्यम किसी ख़ास पक्ष के समर्थन में या किसी ख़ास पक्ष के विरोध में अपने एल्गोरिद्म के माध्यम बहुत बड़ा खेल कर जाते हैं। इस बात के अनेक प्रमाण भी दिए गए हैं कि दुनिया के कई देशों में इन माध्यमों ने गम्भीर हस्तक्षेप किए हैं। और यही बात सरकारी नियंत्रण के लिए भी मानी जा सकती है। किसी सरकार से, और वर्तमान परिदृश्य में, यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह प्रतिपक्ष की आवाज़ को दबाने के प्रयास नहीं करेगी? ऐसे में नियंत्रण की बात, चाहे वह माध्यमों के भीतर से होया देश विशेष की सरकार के द्वारा, युक्तिसंगत नहीं लगती।

मेरा सोच तो यह है कि सोशल मीडिया के ज़िम्मेदारी भरे प्रयोग के लिए हमें अपने नागरिकों की डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर ही बल देना होगा। इस बारे में स्वैच्छिक संगठन और शैक्षिक संस्थान बड़ी भूमिका निबाह सकते हैं। सोशल मीडिया को बरतने के मामले में अभी हमें बहुत कुछ सीखना है। अगर कोई सोशल मीडिया पर कुछ कह रहा है तो हमें यह सीखना होगा कि हम उससे किस सीमा तक और किस तरह असहमत हो सकते हैं। विचारणीय यह भी है कि हमें अपनी असहमति को कितना खींचना है। क्या केवल अपनी बात कहकर हट जाना है या इस ज़िद पर अड़े रहना है कि सामने वाला हमसे सहमत हो ही जाए! मैं तो बहुत बार यह भी सोचता हूं कि अगर मैं किसी से सहमत नहीं हूं तो यह बात उसकी वॉल पर जाकर कहने की बजाय क्यों न अलग से और विस्तार से अपनी वॉल पर कहूं! कोई सोशल मीडिया पर है इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसके साथ चाहे जैसा व्यवहार करें। आचरण में एक मर्यादा का निर्वाह बहुत ज़रूरी है। यह बात सोशल मीडिया के बरतने वालों को समझाना बहुत ज़रूरी है। अभी काफी हद तक एक अराजकता का माहौल वहां बना हुआ है जिसकी वजह से यह बेहतर और सशक्त माध्यम न केवल अपनी सही भूमिका नहीं निबाह पा रहा है, यह हमारे देश की समरसता को और शांति व सौहार्द को भी नष्ट कर रहा है। इस ख़तरे को समझना और इसके प्रसार को रोकना हमारे समय की बहुत बड़ी ज़रूरत है और सभी समझदार लोगों को इस दिशा में न केवल सोचना, सक्रिय भी होना होगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

डॉक्टर स्वामीनाथन के द्वारा कृषि उत्पादन मूल्य की गणना के लिए सुझाया गया C2 फार्मूला/कोस्ट कितनी व्यवहारिक?

महावीर सिंह

राष्ट्रदूत में ''केंद्र सरकार फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा किन आधारों पर व कैसे करती है? कैसे सुधारों की आवश्यकता है?'' दिनांक 26 दिसम्बर 2024 को प्रकाशित लेख के उपरान्त कृषि व ग्रामीण पृष्ठ भूमि वाले कई पाठकों से C2 प्रतिशत कृषि लागत के सम्बंध में कई जानकारियां जाननी चाही। इसके क्रम में, सभी के लिए यह टिप्पणी है।

केंद्र सरकार की कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी योजना के अन्तर्गत फील्ड सर्वेयर्स, रेंडमली चयनित प्लॉट्स से, कृषकों से सतत सम्पर्क रख कर कृषि लागत से सम्बंधित इनपुट्स, आवश्यक बाहरी श्रमिको, बुवाई जुताई से के लेकर फसल कटाई, निकलाई आदि पर मशीन, मानव श्रम व व्यय धन की जानकारी ली जाती है। इन्ही जानकारियों के आधार पर कृषि लागत मूल्य आयोग शएइ की अनुशंसाएं करता है।

इन सूचनाओं के आधार पर कृषि लागत की A2 कोस्ट व पारिवारिक सदस्यों के श्रम का मूल्य FL निकाला जाता है। MSP की गणना के सम्बंध डॉक्टर स्वामीनाथन रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है कि A2+FL में निम्न कोस्ट्स ओर जोड़ी जानी चाहिए::-

A2+FL में पारिवारिक सदस्यों के ऐसे श्रम का मूल्य निकाल कर जोड़ा जाना होता है, जिसकी गणना, सूचना फील्ड सर्वेयर्स नही लेते है। ऐसे श्रम के बारे में आगे चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त कृषि के लिए काम में ली जाने वाली स्थायी मशीनरी, औजार–उपकरण, गोदाम–मकानात, आदि के मूल्य पर ब्याज जोड़ने की बात की जाती है। इसमें खेती के लिए आवश्यक वर्किंग पूंजी पर ब्याज जोड़ने की बाता आती है। इसमें भूमि की रेंटल आय जोड़ी जानी चाहिए।

इन सब की व्यवहारिकता को यों समझ जा सकता है:-

1. कृषि के लिए, खेत तैयार करने से लेकर, इनपुट्स क्रय, बाहरी श्रमिकों को देने के लिए रोकड़, पैदा किया अन्न व चारा आदि उपयोगी बाईप्रोडक्ट्स घर लेकर आने व विक्रय तक विभिन्न कार्यों के लिए धन की आवश्यकता व समयावधि का अनुमान लगाना व उस पर ब्याज की गणना को A2+FL में शामिल करना व्यवहारिक रूप से किया जाना सम्भव है।

यहां यह समझना होगा कि खेत की बान व जुताई से लेकर अन्न निकालने तक लगी बाहरी श्रमिकों की व सीजन के कुछ समय पूरे दिन बाहरी श्रमिकों के साथ साथ काम करने वाले घर वालों की गणना आसान है। कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी में लगें सर्वेयर्स के द्वारा यह आसानी से करली जाती है और पारिश्रमिक की गणना करना आसान है।

किन्तु फिल्ड सर्वेयरों द्वारा जिन कार्यों पर पूरे दिन घरेलू लोग काम करते और जिनके पारिश्रमिक की गणना कर ली जाती है उनके अतिरिक्त भी फसल के लिए खेत तैयार करने के लिए परिवार के छोटे–बड़े सदस्य कई प्रकार के ओर बहुत से कार्य करते है जैसे कि खेत की सफाई के लिए झाड़ आदि काटना, इक्कठा करना, बुवाई के वक्त खाद–बीज लेकर ट्रैक्टर के साथ रहना व काम में लगे लोगों के लिए चाय–पानी आदि व्यवस्था करना, ट्रैक्टर चलाने वाले को खेत सीमाएं बताते रहना, ट्रैक्टर बुवाई में कोई सुधार जरूरी हो तो बताना आदि कार्य करने पड़ते है। इसी प्रकार जब खेत की बुवाई पूरी जो जाती है तब आवार पशुओं से खेत की रक्षा करना, जब बीज अंकुरित होने लगता है तो मोर, तोते आदि पक्षियों से पौधों की रक्षा करनी होती है।

इसके पश्चात अनावश्यक खरपतवार, विड्स की जानकारी लेते रहना और उन को निकालते रहना होता है। पौधों को कोई किटाणु–विषाणकसान तो नहीं पहुंच रहे, पेस्टिसाइड्स की कब आवश्यकता होगी आदि जानकारियों सहित अनेक क्रियाएं किसान के पारिवारिक सदस्यों द्वारा की जाती हैं। अन्न खलिहान से घर ले जाना, चारा आदि को सुरक्षित करना, मंडी ले जाकर बेचने के लिए लेब जाना पड़ता है। स्वामीनाथन आयोग की सिफिरिस के अनुसार उपरोक्त समस्त छोटी, बड़ी क्रियाओं पर लगे समय का यथासम्भव सही सही अनुमान लगाना व परिश्रम का मूल्य निकाल कर A2+FL में शामिल करना चाहिए और यह किया जा सकता है।

2. एक अन्य सिफारिश के अनुसार किसान की स्वयं की जमीन की काल्पनिक रेंटल आय का आंकलन करना और उसे A2+FL में जोड़ना।

यह कठिन कार्य है। इसमें खेत से खेत, गांव से गांव, तालुका से तालुका व भूमि लोकेशन, साइल गुणवत्ता के अनुसार भारी अंतर होता है। इसकी कैसे गणना हो और कैसे कृषि लागत में जोड़े यह कठिन कार्य है।

शायद कॉम्परेन्सिव स्टडी की मेथोडोलॉजी में कुछ परिवर्तन कर इसका अनुमान लगाया जा सकता है। इसके लिए सर्वप्रथम तो राष्ट्रीय, राज्य मार्गों, मेजर डिस्ट्रिक्ट रोडस के साथ कि व नगरीय निकायों के पेरफेरी से एक निश्चित दूरी तक कि भूमियों को सर्वे हेतु प्लॉट्स से अलग रखा जाएं। इस प्रकार ज्ञात सूचनाओं का, केंद्र व ँण्ड्ढ के आवश्यक करेक्शन फैक्टर्स लगा कर, विभिन्न श्रेणियों की भूमियों की रेंट के लिए वेटेज निर्धारित कर एवरेज निकलने का प्रयास हो सकता है। लेखक की जानकारी के अनुसार अभी इसका कोई युक्तियुक्त पैमाना तय नहीं है।

3. इसी प्रकार किसी किसान नें दूसरे से जमीन लेकर खेती की है तो उसे खेत मालिक को कितना रेंट दिया है, इसके मूल्यांकन की कोई एक रूपता नहीं हो सकती। सबसे बड़ी बाधा तो यह है कि इस सब का कोई सरकारी रिकार्ड रखा नही जाता। अधिकांशत: यह लीज, बंटाई आदि मौखिक होती है।

यदि फील्ड सर्वेयर प्रयास करें तो मोटा मोटा अंदाज रेंट या बंटाई हिस्सेदार का हो जाता है। सामान्यत: इस प्रकार की व्यवस्था में खेत मालिक प्रति बीघा नकद रेंट तय करता है या आधी पैदावार का हिस्सा लेता है, खर्चे भी आधे आधे। कहीं खर्चा सारा बंटाईदार का और हिस्सेदारी का अनुपात आपसी सहमति से 50% से नीचे तय हो जाता है। अलग–अलग जगहों के लिए थोड़ा बहुत अंतर मिलेगा। रेंट भी खेत की लोकेशन व उसकी साइल गुणवत्ता के अनुसार बदलता है। लेकिन प्रश्न यह उतपन्न होता है कि बंटाईदारों का कोई रिकार्ड होता नही।इस लिए इस एक्सरसाइज का कोई अर्थ नहीं हैं। जहां बंटाईदारों का सरकारी अभिलेखों में विवरण रखा जाता हो, वहां यह आंकड़ा तय करना उचित होगा।

4. उपरोक्त पैराओं 2, 3 से यह तो साफ है कि किसान की स्वयं अथवा लीज आदि पर ली गई भूमि का क्या रेंट A2+FL में जोड़ा जाए, यह अत्यंत कठिन कार्य है।

या तो सरकारें पूरे राज्य के लिए एक स्टेंडर्ड निर्धारित करे या CACP यह कार्य करे।

4. इसी प्रकार किसान खुद की मशीनरी जैसे ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि का काम में लेते है, उस पर व्यय पूंजी पर ब्याज की गणना msp के लिए शामिल हो।हमारे देश में बहुत कम किसान इतने बड़े रकबे में खेती करते हो जहां ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि केवल खेत मालिक किसान के काम आते हो। इसलिए यदि किसान ट्रैक्टर आदि मशीनरी का उपयोग करता है तो वह साथ में इन मशीनों को किराए पर भी चला कर दूसरे कार्य करता है। इसलिए इस प्रकार डुएल काम में आने वाली मशीनरी की लागत पर ब्याज को C2 कोस्ट में शामिल करना उचित नहीं लगता। अधिकतर किसान इन ट्रैक्टर, ब्लोवर आदि किराए पर लेकर अपना काम करवाते है। इनका खर्च तो कृषि लागत में अब भी शामिल किया जाता है। हां कुछ औजार, उपकरण हर किसान को रखने पड़ते है यथा गेंती, फावड़े, कटर्स–दरांती, छोटी–बड़ी खुरपिया, खाद–पेस्टिसाइड्स का उपयोग करने के छोटे छोटे उपकरण आदि। इन पर हुए व्यय का आंकलन आसानी से किया जा सकता है और इस राशी पर ब्याज C2 में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

राजस्थान में नवसृजित जिलों और संभागों का पुनर्निर्धारण : एक विवेकपूर्ण कदम

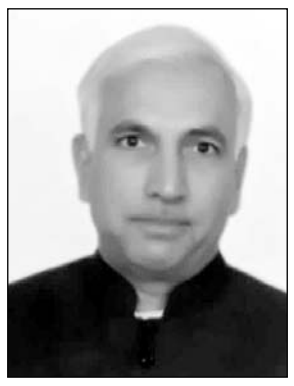

चंद्रमोहन मीणा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने हाल ही में प्रदेश में नवगठित जिलों और संभागों का पुनर्निर्धारण किया है। इस निर्णय के तहत प्रदेश में अब कुल 7 संभाग और 41 जिले होंगे। यह निर्णय प्रशासनिक सुधार, आर्थिक संतुलन और सुशासन की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा 2023 में 17 नए जिलों और 3 नए संभागों का गठन किया गया था, जिसकी अधिसूचना 5 अगस्त 2023 को जारी की गई थी। हालांकि, वर्तमान सरकार ने इस निर्णय की समीक्षा करते हुए 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का फैसला लिया है। यह निर्णय सेवानिवृत आईएएस डॉ. ललित के पंवार की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों और मंत्रिमंडलीय उप–समिति की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है।

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है, जहां क्षेत्रफल और जनसंख्या की दृष्टि से अधिक प्रशासनिक इकाइयों की आवश्यकता महसूस की जाती है। हालांकि, प्रशासनिक इकाइयों का गठन तभी प्रभावी हो सकता है जब यह व्यावहारिक, मापदंड–आधारित और राज्य की आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप हो। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अचानक 17 जिलों और 3 संभागों के गठन का निर्णय आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से अव्यावहारिक साबित हुआ। नए जिलों और संभागों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन की पूर्ति राज्य के लिए बड़ी चुनौती बन गई। पुनर्निर्धारण के प्रमुख कारणों में आर्थिक संतुलन और संसाधनों का कुशल उपयोग, प्रशासनिक प्रभावशीलता, वास्तविक जरूरत पर ध्यान जैसे बिंदुओं को केंद्र में रखा है।

नए जिलों और संभागों के गठन में बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। कार्यालय भवन, स्टाफ पदों का सृजन और आवश्यक बुनियादी ढांचे की स्थापना पर अत्यधिक खर्च होता है। 9 जिलों और 3 संभागों को निरस्त करने से यह आर्थिक बोझ कम होगा और इन संसाधनों का उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकेगा। छोटे जिलों के निर्माण से कई बार प्रशासनिक बोझ बढ़ता है और निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नए जिलों के स्थान पर मौजूदा प्रशासनिक इकाइयों को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास बेहतर परिणाम दे सकता है।

जिन जिलों को मर्ज किया गया है, वे मापदंडों पर खरे नहीं उतरते थे। वहां आबादी, क्षेत्रफल और प्रशासनिक जरूरतें इतनी नहीं थीं कि नए जिलों की आवश्यकता होती। नौ जिलों को समाप्त करने के बावजूद आठ जिलों को यथावत रखा गया है। इससे सरकार अब इन जिलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, बजट और मानव संसाधन की पूर्ति पर बेहतर ध्यान दे सकेगी। इन जिलों में निवासरत आमजन को प्रशासनिक सेवाओं का वास्तविक लाभ मिलेगा। अनावश्यक खर्च में कमी आने से यह राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश की जा सकेगी। इससे राज्य के समग्र विकास को गति मिलेगी।

प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाने और सुशासन स्थापित करने में सहायक होगा।

छोटे जिलों के बजाय बड़े और संगठित जिलों में प्रशासन अधिक प्रभावी हो सकता है। भजनलाल सरकार द्वारा 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का निर्णय व्यावहारिक और दूरदर्शी साबित होगा। यह कदम संसाधनों के कुशल उपयोग, बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन और राज्य के समग्र विकास के लिए नए रास्ते खोलेगा। नए जिलों के वास्तविक लाभ तभी मिल सकते हैं जब इनकी योजना मापदंडों और आवश्यकता के आधार पर बनाई जाए। राज्य सरकार का यह निर्णय प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक संगठित, प्रभावी और जनहितकारी बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

चंद्रमोहन मीणा
सेवानिवृत आईएएस।

813वां सालाना उर्स : अजमेर जिला व पुलिस प्रशासन ने चादर पेश की

अजमेर, (कासं)। दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ सूफी संत ख्वाजा साहब के 813वें सालाना उर्स की अपौचारिक शुरुआत हो गई है। उर्स के मौके पर रविवार को जिला कलेक्टर लोक बंधु और एसपी वंदिता राणा के नेतृव में पुलिस व प्रशासन की ओर से चादर व अकीदत के फूल मजार पर पेश कर देश–प्रदेश में खुशहाली, अमन चैन के साथ शांतिपूर्ण उर्स के लिए दुआ मांगी। अंजुमन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर व एसपी सहित अधिकारियों की दस्तारबंदी की।

जिला कलेक्टर लोकबंधु व एसपी वंदिता राणा सहित पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों ने रविवार को ख्वाजा साहब की मजार पर मखमली चादर व अकीदत के फूल पेश किए। इस अवसर पर कलेक्टर लोकबंधु ने कहा कि दरगाह के उर्स को लेकर सभी तैयारी कर ली गई है। चांद दिखाई देने पर उर्स की विधिवत शुरूआत एक या दो जनवरी से होगी। अनौपचारिक शुरूआत झंडा रस्म की अदायगी के साथ हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने कहा कि उर्स के दौरान पुलिस व प्रशासन की ओर से पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पर्याप्त संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात करने के साथ ही आरएएफ टीम सहित स्पेशल टीम भी तैनात की गई है।

गरीब नवाज के उर्स की शुरूआत अनौपचारिक रूप से 28 दिसम्बर को झंडा चढ़ाने के साथ हो गई है। विधिवत शुरूआत चांद दिखाई देने पर एक या दो जनवरी से हो जाएगी।

कलेक्टर लोकबंधु व एसपी वंदिता राणा सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने चादर चढ़ाई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 30 दिसम्बर, 2024

पौष मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, सोमवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 11:57 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:32 तक, चतुष्पद करण दिन 3:59 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–धनु, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–मकर, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज देवपितृकार्य अमावस्या और सोमवती अमावस्या, वकुला अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:37 तक, शुभ 9:54 से 11:12 तक, चर 1:47 से 3:04 तक, लाभ–अमृत 3:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:39

मेष
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

सिंह
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर–परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मकर
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। अटके हुए कार्य बन सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सार-समाचार

कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ के चुनाव करवाए गए। क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि चुनाव अधिकारी आर आर मित्तल द्वारा क्लब कि सत्र 2025-26 की कार्यकारिणी के निष्पक्ष चुनाव करवाए गए। जिसमें सत्र 2026-27 के अध्यक्ष पद पर प्रवीण गुप्ता को चुना गया एवं सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष विनय अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष गौरव सूद, सचिव डॉ.आरबी गुप्ता, जाइंट सैक्रेटरी चंदन गोयल, कोषाध्यक्ष अनुराग अग्रवाल, डायरेक्टर विनोद नायक, धर्मेश भटनागर, जय कुमार जैन, प्रवीण जायसवाल, रोहित अग्रवाल, रमेश मालव, हेमलता गुप्ता, ओम जैन सर्राफ, रवि मंडलोई, संदीप पालीवाल, मनीष बंसल, सुमित गुप्ता, अरुण उपाध्याय, प्रतिमा गोयल को चुना गया एवं सार्जेंट एट आर्म मंथन नागर, क्लब ट्रेनर डॉ.राकेश नागर होंगे। अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया एवं सभी नव निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल कार्यकाल की कामना की। साथ ही निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए चुनाव अधिकारी आर आर मित्तल को धन्यवाद दिया। अन्त में सचिव सचिव गौरव सूद ने सभी नव निर्वाचित सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं चुनाव में उपस्थित सभी सदस्यों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान सुरेन्द्र अग्रवाल और उनकी कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की गई और सामाजिक सरोकार के जो कार्य कराए गए उन्हें अविस्मर्णीय बताया। इस कार्यकाल में जहां चिकित्सा क्षेत्र में शिविर लगाकर लोगों को लाभांवित किया गया वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी स्वेटर वितरण, पाठ्य सामग्री वितरण, बैंच वितरण सहित अनेक सेवा कार्य किए गए।

प्रज्ञासागर महाराज का मंगल प्रवेश

कोटा, (निसं)। पुष्पगिरी प्रणेता आचार्यश्री पुष्पदंत सागर महामुनिराज के सुशिष्य तपोभूमि प्रणेता आचार्यश्री प्रज्ञासागर महाराज ससंघ का गुरुधाम फाटाखेड़ा मण्डाना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्यश्री ससंघ रविवार प्रात: 08.30 बजे मण्डाना में भव्य अगवानी की गयी। तत्पश्चात दिल्ली मुम्बई हाईवे से एक भव्य शोभायात्रा के रूप में मंगलविहार करके आचार्यश्री ससंघ ने लगभग 9 बजे गुरुधाम फाटाखेड़ा, मण्डाना में मंगल प्रवेश किया। लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी संग भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने श्रीफल अर्पण करते हुए आरती कर मंगल प्रवेश में पहुंचकर पूज्यश्री की अगवानी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। पूज्य आचार्यश्री ससंघ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त कर धर्मप्रभावना में सहभागी बने। व्यवस्था आयोजक पुण्यार्जक परिवार लोकेश जैन-दीप्ति जैन (सीसवाली परिवार) द्वारा की गई है। श्री सकल दिगंबर जैन समाज समिति, कोटा जिलाध्यक्ष विमल जैन, महामंत्री विनोद टोरडी सहित पदाधिकारी एवं समस्त श्री सकल दिगंबर जैन समाजबंधुओं ने आचार्यश्री ससंघ की अगवानी कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विजय दुगेरिया, कमलेश सांवला, कपिल जैन आगम, पारस जैन सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहें।

कांस्य पदक जीतने पर स्वागत किया

कोटा, (निसं)। कराटे की नेशनल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कोटा निवासी जिशान जैद ने ब्रोंच मैडल जीतकर कोटा सहित देशवाली समाज का नाम रोशन किया है। देशवाली समाज के जिशान जैद ने इंदौर मध्यप्रदेश में आयोजित 68 वीं स्कूल नेशनल 19 आयुवर्ग छात्र कराटे प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 में ब्रोंज मेडल प्राप्त किया है। जिशान की इस सफलता पर परिवार व समाज के लोगों ने हर्ष जाहिर किया है। देशवाली महासभा शिक्षा विकास संस्थान ने उनका अभिनंदन किया और उज्जव भविष्य की कामना की है। साथ में इनके वालिद और वालिदा साबिर हुसैन पीटीआई साहब का शौल और माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष हनीफ खान देशवाली की पूरी टीम ने स्वागत किया। इस दौरान हनीफ देशवाली ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं जहां भी जिस भी फिल्ड में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं वहां उनका सम्मान समाज की ओर से किया जा रहा है ताकी अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिले। संस्था के कोषाध्यक्ष साहिल हुसैन, सदस्य नफीस मोहम्मद, इरफान गौड, फिरोज बोकडा ने भी जिशान जैद और उनके पूरे परिवार को बधाई दी।

शिविर में 508 रोगी लाभांवित

कोटा, (निसं)। दुआ हेल्प ऑर्गनाइजेशन ने रविवार दरगाह मील वाले बाबा, रंगपुर रोड़ पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श शिविर का आयोजन किया। संगठन के अध्यक्ष रेहबर खान के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में सैकड़ों लोगों ने अपने मर्ज की उचित सलाह प्राप्त की। रविवार को शिविर में प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दीं। डॉ.इफ्फात फातिमा और डॉ.निजत फातिमा ने दंत चिकित्सा, डॉ.मोहित सैनी ने सामान्य चिकित्सा, और डॉ.अबरार शेख ने फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में 508 रोगी लाभांवित हुए। रेहबर खान ने कहा, शिविर के माध्यम से हमने उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। शिविर में भाग लेने वालों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि दुआ हेल्प ऑर्गनाइजेशन स्वास्थ्य शिविरों, शैक्षिक कार्यक्रमों और सामाजिक सहायता गतिविधियों के माध्यम से समुदाय के कल्याण के लिए काम कर करता है।

श्रीमद्भागवत कथा आयोजित

छबड़ा (निसं)। कस्बे के खेल मैदान मे चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को रामानुजाचार्य श्रीधराचार्य ने अपने श्रीमुख से श्रीकृष्ण जन्म का बड़ा ही सुंदर व मार्मिक चित्रण करते हुए कहा कि पृथ्वी पर दुष्टों का भार जब बढ़ गया था तक धर्म की रक्षा व लोक कल्याण हेतु लीलादानी प्रभु ने अवतार ग्रहण करने का निश्चय किया था। श्रीकृष्ण ने कृष्णपक्ष अष्टमी तिथि व रात्रि के बारह बजे अवतार लेकर यह सिद्ध किया कि जो सारे सभ्य समाज से भी त्याज्य है, जिसमें कमियां ही कमियां हैं, जो अकिंचन है वो भी मुझे प्रिय है, मैं उन्हें भी स्वीकार करता हूं।

डॉ. मनमोहन सिंह ने देश को आर्थिक मंदी से उभारकर विश्व को अचंभित किया

- देश के आमजन किसानों को रोजगार, अधिकार दिया : रविन्द्र त्यागी
- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई

कोटा, (निसं)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रविवार को गुमानपुरा स्थित कांग्रेस कार्यालय में शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी की अगुवाई में कांग्रेसजनों ने डॉ. मनमोहन सिंह की चित्र पर माल्यर्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर सभा का आयोजन किया।

इस मौके पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी ने मनमोहन सिंह को नमन करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से कांग्रेस पार्टी को आपूर्णिनीय क्षति हुई है उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह सच्चे देश भक्त थे।

उन्होंने जब विक्त मंत्री का कार्यभार संभाला जब भारत देश और विश्व आर्थिक मंदी से गुजर रहा था उनकी नीति से भारत देश आर्थिक मंदी उभारा तो पूरा विश्व अचंभित हो गया था वह जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने देश के किसानों और आमजन को आर्थिक सुधार, नरेगा, आधारकार्ड, माईलस्टोन भारत अमेरिका न्यूक्लियर डील, शिक्षा और सूचना का अधिकार जैसी योजना लाकर देश मे नई क्रांति लाकर देश को ऊंचाईयों पर पहुंचाया।

रविन्द्र त्यागी ने कहा कि वर्तमान में बैठी मोदी सरकार हमेशा कांग्रेस के नेताओं की आलोचना करती रहती है कि कांग्रेस ने कुछ नहीं किया उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह कम बोलते थे और जब भी बोलते थे तो भारत देश के साथ साथ उनको पूरा विश्व सुनता था रविन्द्र त्यागी ने कहा कि उनकी योजनाओं पर कई देश अनुसरण कर रहे है।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को मनमोहन सिंह के सिद्धांतों और आदर्शों तथा उनकी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की सलाह दी यही हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होंगी।

डीसीसी उपाध्यक्ष जगदीश ठाड़ा ने कहा कि डॉ.मनमोहन सिंह की योजनाओं और आर्थिक सुधारों से देश मजबूत हुआ नई शिक्षा नीति और सूचना का अधिकार से आमजन को अधिकार मिला यह सब मनमोहन सिंह की देन है।

श्रद्धांजलि सभा मे प्रमुख रूप से महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम, कोटा दक्षिण नगर निगम दक्षिण उपमहापौर पवन मीणा, प्रदीप मालवीय, संजय यादव, ब्लॉक अध्यक्ष जोगेन्द्र बिरवाल, जयेश श्रृंगी डॉ. विजय सोनी सेवादल अध्यक्ष प्रेमराज, पूर्व पार्षद अमोलक देवी, मालती शर्मा, डीसीसी सचिव पुनम पंवार, पार्षद सलिना शेरी, पूर्व सेवादल अध्यक्ष हंसराज गोस्वामी, हेमंत चतुर्वेदी, विजय गुप्ता, नरेश मेघवाल, मंजू चौधरी, आदी कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोको पायलटों के साथ कवच तकनीक के उपयोग को लेकर सेमिनार आयोजित

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी की अध्यक्षता में कोटा मंडल की संकेत एवं दूर संचार गति शक्ति इकाई द्वारा एक वर्चुअल जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य लोको निरीक्षकों और लोको पायलटों को कवच तकनीक के प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

सेमिनार में कोटा मंडल और क्षेत्रीय रेलवे प्रक्षिक्षण संस्थान उदयपुर के यातायात, विद्युत, परिचालन और संकेत एवं दूर संचार विभाग के 10 अधिकारी, निरीक्षक, सुपरवाईजर और प्रशिक्षकों ने हिस्सा लिया।

इसके साथ ही इस सेमिनार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय रेलवे प्रक्षिक्षण संस्थान उदयपुर में प्रशिक्षण कर रहे कुल 613 रेलकर्मियों जिसमें लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, पॉइंट्समैन, आपदा प्रबंधन स्टाफ, जेई सिग्नल और सिग्नल तकनीशियन भी जुड़े। दो घंटे से अधिक चले इस मैराथन सत्र में प्रतिभागियों ने कवच तकनीक के उपयोग और विभिन्न परिस्थितियों में इसके व्यवहार से संबंधित अपनी शंकाओं और सवालों को रखा।

इनका समाधान कोटा संकेत एवं दूर संचार गतिशक्ति यूनिट ने प्रायोगिक वीडियो और चित्र प्रस्तुति के माध्यम से किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस सेमिनार के माध्यम से प्रतिभागियों को कवच तकनीक के सही उपयोग और इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस पहल को रेलवे सुरक्षा और संचालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे कोटा-मथुरा खंड में परिचालन, सुरक्षा और संरक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। संचालन टीम से अनुरोध किया गया कि कोटा-मथुरा खंड में ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) की पूरी क्षमता का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

पौषबडा महोत्सव शुरू

बूंदी (निसं)। रविवार को प्रात: जन-जन के आराध्य श्री चारभुजा नाथ मंदिर पर मंगला आरती के साथ पौषबडा महोत्सव शुरूआत शंखनाद से हुई। यहां श्री चारभुजा नाथ को पुआ, पकौडी, पंचमेवा एवं कत्त का भेग लगा कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

श्री चारभुजा विकास समिति अध्यक्ष पुरुषोत्तम पारीक व वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गर्ग ने बताया की पौष माह के महीने में वर्षों से चली आ रही परंपरानुसार पंडित पूर्ण चतुर्वेदी ने श्री चारभुजा नाथ की प्रतिमा का श्रृंगार किया और शंखनाद कर आरती उतारी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से ओम जय जगदीश हरे, श्री रामचंद्र कृपालु भजमन, भगवान भोलेनाथ एवं पांच देवों की आर्तियां गाकर भगवान को रिझाया।

पुलिस ने मादक पदार्थ स्मैक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

- 26 ग्राम स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त बाइक जब्त की

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने वाहन चैकिंग के दौरान कार्यवाही करते हुए 26 ग्राम 80 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, साथ ही घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर की बाईक को भी जप्त किया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पकड़ी गई अवैध मादक पदार्थ स्मैक की बाजार में अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब छह लाख रूपये बताई गई। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद पुलिस उपअधीक्षक अभय कुमार के निर्देशन एवं सांगोद थाने के उपनिरिक्षक थानाधिकारी लाखनसिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सांगोद क्षेत्र में मामा भांजा रेस्टोरेन्ट के समीप जोल्पा रोड़ चतरपुर पर वाहन चैकिंग के दौरान खानपुर की ओर से बिना नम्बर की बाईक को रोककर बाईक सवार संदिग्ध लगने पर तलाशी ली गई तो पप्पू तंवर के पास से थैली मिली जिसमे भूरे रंग का पाउडर था। जिस पर प्रभुलाल व पप्पू तंवर ने पूछताछ पर स्मैक होना बताया जिसका कुल वजन 26 ग्राम 80 मिलिग्राम होना पाया गया।

कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद होने पर सांगोद पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए डूंगर गांव निवासी पप्पू तंवर (22) और प्रभुलाल (35) को गिरफ्तार कर लिया एवं तस्करी में प्रयुक्त बिना नम्बर की बाईक को भी जप्त कर लिया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये दोनों आरोपियों से घटना में शमिल अन्य आरोपियों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

पूर्व मंत्री ने भाजपा सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया

कोटा, (निसं)। पूर्व यूडीएच मंत्री और कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। रविवार को पेंशनर समाज की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कोटा महोत्सव, मिनी सचिवालय, रिवर फ्रंट के प्रचार प्रसार, राइजिंग राजस्थान, कोटा शहर में करवाये गए विकास कार्यों को पर्यटन विभाग द्वारा बुकलेट में शामिल नहीं करने सहित राज्य सरकार की 1 साल की उपलब्धियां को लेकर निशाना साधा।

धारीवाल ने कहा राइजिंग राजस्थान में एमओयू करने से कुछ नहीं होता है, निवेश आना चाहिऐं। मुकुंदरा टाइगर रिजर्व में एक दो बाघ शिफ्ट करने से कुछ नहीं होगा। पर्यटन को बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में बाघ शिफ्ट होना चाहिए। सीएम की मौजूदगी में कल आयोजित हुई कोटा संभाग की बैठक को लेकर भी उन्होंने व्यंग्य बाण छोड़े और मंच पर आसीन भाजपा विधायक संदीप शर्मा को भी सरकार के सामने आवाज उठाने की सलाह दे डाली। कोटा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को लेकर भी धारीवाल ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के लिए अभी 6 हजार करोड़ की राशि मिली है लेकिन कोटा एयरपोर्ट के लिए आज तक कोई बजट क्यों नही मिला। उन्होंने कहा कि चंबल नदी में आज भी अपस्ट्रीम में नाले नदी में मिल रहे हैं और इस पानी को फिल्टर करके सप्लाई किया जा रहा है। इसके साथ ही देवनारायण नगर योजना, रिवर फ्रंट के प्रचार-प्रसार कद लिए रिजर्व 64 करोड़ का उपयोग नहीं लेने और अब कोटा महोत्सव का आयोजन करवाने सहित अन्य विकास कार्यों को लेकर निशाना साधा। पुराने एयरपोर्ट की जमीन पर मिनी सचिवालय की जगह के बदलाव के साथ बीजेपी सरकार द्वारा जिलों को निरस्त करने के मुद्दे को लेकर भी उन्होंने निशान साधा। रविवार को कोटा प्रवास के दौरान पूर्व मंत्री विधायक शांति धारीवाल ने विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की।

नए साल से 14 साप्ताहिक ट्रेनों का संचालन कोटा की बजाय सोगरिया स्टेशन से होगा

कोटा, (निसं)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को देखते हुए नए साल में 14 साप्ताहिक ट्रेनों को सोगरिया होकर संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों का संचालन कोटा की बजाय सोगरिया से किया जाएगा। गाड़ी संख्या 18208 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस, दिनांक 07 जनवरी से सोगरिया 01.15 बजे आगमन एवं 01.25 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस, दिनांक 06 जनवरी से 01.15 बजे आगमन एवं 01.25 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 18574 भगत की कोठी-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस, दिनांक 04 जनवरी से 05.20 बजे आगमन एवं 05.30 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 18010 अजमेर-संतरागाछी एक्सप्रेस, दिनांक 05 जनवरी से 05.45 बजे आगमन एवं 05.55 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 19608 मदार-कोलकाता एक्सप्रेस, दिनांक 06 जनवरी से 05.45 बजे आगमन एवं 05.55 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 20971 उदयपुर सिटी-शालीमार एक्सप्रेस, दिनांक 04 जनवरी से 05.45 बजे आगमन एवं 05.55 प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 13424 अजमेर-भागलपुर एक्सप्रेस, दिनांक 04 जनवरी से 12.10 बजे आगमन एवं 12.20 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 18573 विशाखापत्तनम-भगत की कोठी एक्सप्रेस दिनांक 02 जनवरी से 09.00 बजे आगमन एवं 09.10 प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 18207 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस, दिनांक 06 जनवरी से 10.25 बजे आगमन एवं 10.35 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 18213 गुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस, दिनांक 05 जनवरी से 10.25 बजे आगमन एवं 10.35 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 18009 संतरागाछी-अजमेर एक्सप्रेस, दिनांक 03 जनवरी से 21.05 बजे आगमन एवं 21.15 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 19607 कोलकाता-मदार एक्सप्रेस, दिनांक 02 जनवरी से 21.05 बजे आगमन एवं 21.15 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 20972 शालीमार-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस दिनांक 05 जनवरी से 23.25 बजे आगमन एवं 23.35 बजे प्रस्थान करेगी, गाड़ी संख्या 13423 भागलपुर-अजमेर एक्सप्रेस, दिनांक 02 जनवरी से 15.30 बजे आगमन एवं 15.40 बजे प्रस्थान करेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस संबंध में सर्व-संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि इन साप्ताहिक ट्रेनों में रेलयात्रा का लाभ कोटा की बजाय सोगरिया स्टेशन से निर्धारित समय पर पहुँचकर लें। असुविधा से बचने के लिए समय-सारणी की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

OFFICE OF THE GRAM PANCHAYAT CHHIPABAROD
PANCHAYAT SAMITI CHHIPABAROD BARAN (RAJ.)

Sr. No.ग्रा.प./2024-25/918-920 Date : 27.12.2024

Notice Inviting Bid

Bids for works are invited from interested bidders up to 05.01.2025 at 6.00 PM other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (httpp://sppp.raj.nic.in, httpp://eproc.raj.nic.in) of the state.

UBN- ZBR2425WSRC00854

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत छीपाबड़ौद, पं.स. छीपाबड़ौद — सरपंच, ग्राम पंचायत छीपाबड़ौद, पं.स. छीपाबड़ौद

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2024/14835 दिनांक:-26.12.24

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत् सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री महेश कुमार चांदवानी पुत्र श्री स्व. श्री प्रताप चन्द चांदवानी निवासी-592 शास्त्री नगर दादाबाडी एल.आई.जी.एच. कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण भूखण्ड संख्या-592 शास्त्री नगर दादाबाडी एल.आई.जी.एच. कोटा (राज.) नगर निगम कोटा नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। भूखण्ड संख्या-592 शास्त्री नगर दादाबाडी एल.आई.जी.एच. कोटा क्षेत्रफल-1800 वर्ग फुट का 99 वर्षीय पट्टेदारी पर विक्रय (नीलाम) कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल परियोजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक-लेखा/मण्डी/3496 दिनांक 10.10.1969 को श्री प्रतापचन्द चान्दवानी पुत्र श्री भूरजराम को किया गया। श्री प्रतापचन्द चान्दवानी पुत्र श्री भूरजराम की मृत्यु दिनांक 03.01.2006 को हो चुकी है। उनकी मृत्यु उपरांत उनके शेष विधिक वारिसान श्रीमती यशोदा रानी चांदवानी पत्नी स्व.श्री प्रतापचन्द चान्दवानी व उषा बेन आहुजा पुत्री स्व.श्री प्रतापचन्द चान्दवानी एवं श्रीमती हीना बेन हरूमलानी पुत्री स्व.श्री प्रतापचन्द चान्दवानी द्वारा अपना हक श्री महेश कुमार चांदवानी पुत्र श्री स्व.श्री प्रताप चन्द चांदवानी के पक्ष में त्याग दिया है। उनके एकमात्र विधिक वारिसान श्री महेश कुमार चांदवानी पुत्र श्री स्व.श्री प्रताप चन्द चांदवानी है। श्री महेश कुमार चांदवानी पुत्र श्री स्व.श्री प्रताप चन्द चांदवानी के पक्ष में नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जानी है।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम, कोटा दक्षिण में उक्त भूखण्ड के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखण्ड का स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति संस्था या अन्य किसी को भी जो उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। मियाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त नगर निगम, कोटा दक्षिण

॥जय गुरुदेव॥
जय मां ॥ॐ श्री विक्रान्त महाभैरवाय नम:॥ जय बाबा

पुण्य स्मरण ! 30 दिसम्बर, 1996

स्व. श्री नवल किशोर अग्रवाल "किशोर भारती"

राष्ट्रीय कवि, उद्योगपति एवं समाज सेवी

श्रद्धावनत : श्रीमती पंचम अग्रवाल (धर्मपत्नी),
संजय-राजश्री, राजीव (महापौर, कोटा दक्षिण)-कृष्णा, रविन्द्र, ज्ञानेश-भारती, कृष्ण-गुंजन (पुत्र-पुत्रवधु),
आदित्य, विक्रम, नव्य, यश, कनक, वेदांश अग्रवाल (पौत्र), समस्त परिवारजन एवं सहकर्मी।

SANJAY Plastics & Industrial Services | SUNTECH ENGINEERS(INDIA) | TEMPLES PVT.LTD.

भाजपा कोटा शहर ने बूथ स्तर पर मोदी के मन की बात सुनी

- कार्यक्रम कोटा शहर के भाजपा के सभी 14 मण्डलों में बूथ स्तर पर देखा

कोटा, (निसं)। भाजपा कोटा शहर जिलाध्यक्ष राकेश जैन व मन की बात कार्यक्रम जिला संयोजक देवेंद्र राही, सहसंयोजक कुलदीप सिंह तलवार के सानिध्य में भाजपा कोटा शहर द्वारा रविवार को सभी 14 मण्डल में बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

सभी जनप्रतिनिधियों, मुख्य संगठन, मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सहित भाजपा कार्यकर्ताओ ने अनेको स्थानो पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को देखा व सुना। भाजपा केशवपुरा मंडल वार्ड 74 की भाग संख्या 114 में भाजपा पधधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार को मन की बात कार्यक्रम का 117वॉ एपिसोड टेलीविजन पर लाईव देखा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि सहित अन्य कई महत्वपूर्ण बातों पर देशवासियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष व मन की बात कार्यक्रम के जिला सयोंजक देवेंद्र राही, सह-संयोजक व भाजपा नेता कुलदीप सिंह तलवार, केशवपुरा मंडल अध्यक्ष पारस खींची, वार्ड 74 के भाग संख्या 114 के बूथ अध्यक्ष श्याम कसेरा, भाग संख्या 113 के बूथ अध्यक्ष युगल यादव, कुशाग्र शर्मा अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कुन्हाडी मण्डल में पार्षद राकेश पुटरा के नेतृत्व में कमला उद्यान स्थित कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने मन की बात कार्यक्रम को टीवी पर देखा व सुना। इस दौरान महावीर गोस्वामी, महावीर मार्बल, दीपक सुमन, विष्णु लोधा, राजेश शर्मा, अरुण गोस्वामी, शिवचरण कौशिक, महावीर सुमन, सपना सुमन, हर्षिता सिंह, रजनी गोचर, बंटी सुमन, निक्की नामा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम कोटा शहर के भाजपा के सभी 14 मण्डलों में बूथ स्तर पर देखा व सुना गया।

कार्यक्रमों में 14 मण्डल के मण्डल अध्यक्ष सहित मण्डल में निवासरत जनप्रतिनिधि, प्रदेश से लेकर बूथ स्तर के सभी पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सांचौर जिला निरस्त करने पर लोगों में आक्रोश, महापड़ाव की चेतावनी दी

नवगठित सांचौर जिले को रद्द करने के विरोध में आज सांचोर का बाजार बंद रहेगा

सांचौर, (निसं)। प्रदेश की वर्तमान सरकार ने पूर्व सरकार द्वारा घोषित सांचोर जिले को निरस्त कर दिया है, जिसके बाद में सांचौर जिले के लोग आक्रोशित हैं और पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने रविवार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर आज से महापड़ाव की चेतावनी दी। सांचोर जिले को रद्द करने के विरोध में सोमवार को सांचौर का बाजार बंद रहेगा।

पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने बताया कि डीग, खैरथल व सलुम्बर जिले जो आबादी के हिसाब से सांचौर जिले के करीब-करीब बराबर हैं। डीग जिले की भरतपुर जिले से मात्र 35 किमी दूर, खैरथल जिला अलवर जिले से मात्र 45

- **पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा**

किमी दूर व सलुम्बर जिला उदयपुर जिले से 70 किमी दूर है। जबकि सांचौर जिला जालोर जिले से 145 किमी दूर है। पूर्व सरकार द्वारा गठित रामलुभाया कमेटी ने नवगठित जिलों में दूरी व आबादी को मानकर नए जिले गठित किये थे, जबकि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा कौनसे आधार पर जिलों को निरस्त किया गया, कोई स्पष्ट नहीं है। सांचौर जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने से लोगों के सभी जिलास्तर के कार्य जल्द होने लगे व आर्थिक बोझ भी ज्यादा नहीं रहा। लेकिन भाजपा सरकार ने जिले को रद्द करके लोगों की भावना के साथ खिलवाड़ किया है, जिससे लोग आक्रोशित हैं।

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई ने जिला रद्द किए जाने के बाद भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सांचौर को जिला बनाया था, लेकिन भाजपा सरकार ने राजनीतिक कारणों के चलते जिले को निरस्त किया है, जिसके चलते हम जन आंदोलन करेंगे। सांचौर की दूरी जालोर से 180 किमी है, सांचौर के अंतिम गांव की दूरी 250 किमी है। ऐसे में इन गांवों के लोगों के लिए जालोर जाना मुश्किल हो जाएगा।

पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई के नेतृत्व में लोगों ने महापड़ाव की चेतावनी दी।

नीमकाथाना जिला निरस्त करने पर लोगों में आक्रोश

पाटन, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में नवगठित जिलों के लिए किए गये निर्णयों में नीमकाथाना सहित नौ जिलों को हटाने के बाद पूरे नवगठित जिलों सहित नीमकाथाना में आमजन में आक्रोश देखने को मिला है। जिला बनाओ संघर्ष समिति ने अपना बैनर अब जिला बचाओ संघर्ष समिति में बदलते हुए नीमकाथाना के रामलीला मैदान में मिटिंग बुलाने का ऐलान कर दिया। जिला हटाने के कारण उपजे असंतोष पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने व जिला बचाने के उद्देश्य को लेकर बिना किसी राजनैतिक लालसा के दलीय राजनीति से दूर केवल जिला हटने की पीड़ा व्यक्त करने बड़ी संख्या में लोग मिटिंग स्थल पर पहुंचे व सरकार द्वारा लिए गये इस अदूरदर्शिता पूर्ण निर्णय की कड़े शब्दों में भर्त्सना की तथा आगामी रणनीति बनाने को लेकर अपने-अपने विचार रखे।

विधायक सुरेश मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जिला बनाने की मांग सन् 1952 से चल रही थी। कई

जिला बनाओ संघर्ष समिति ने नीमकाथाना के रामलीला मैदान में मिटिंग बुलाई।

- **जिला बनाओ संघर्ष समिति ने अपना बैनर अब जिला बचाओ संघर्ष समिति में बदला**

प्रयासों की सुखद परिणाम सन् 2023 में कांग्रेस सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के चलते नीमकाथाना को जिला बनने के रुप में मिला। हर घर परिवार में खुशियां मनाई गई, हर गांव ढाणी में दीपावली जैसा माहोल देखने को मिला परन्तु अचानक राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा जो निवाला जनता के मुंह से छीना गया उससे सभी लोग स्तब्ध हुए जिसका परिणाम सामने है कि आज स्वप्रेरणा से बड़ी संख्या में लोग मिटिंग स्थल पर पहुंचे हैं। इसका सबसे ज्यादा दुख: युवा पीढी को है कहीं ना कहीं उनके सपने चकनाचूर हुए हैं, परन्तु मेरा सबसे निवेदन है कि अनुशासन रखते हुए गांधी के सिद्वांत अनुसार अहिंसा के रुप में हमें संघर्ष करना पड़ेगा, इसके लिए तैयार रहना है। अगर सरकार को जिला निरस्त करना था तो पहले ही कर दिया होता एक साल तक क्यों खर्च करती रही।

संघर्ष समिति के संरक्षक के.एल मीणा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि नीमकाथाना को जिले के पैनल से निरस्त कर नीमकाथाना की जनता के साथ कुठाराघात किया है। इससे बड़ा अन्याय नीमकाथाना के साथ हो ही नहीं सकता। नीमकाथाना जिला सभी मापदण्ड पूरे करने के बाद भी जिला निरस्त करना सरकार की व्यवस्था के प्रति लापरवाही की सोच को उजागर करता है। भाजपा के स्थानीय नेताओं का चुप रहना जख्मों को कुरेदने जैसा है। इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा यह निश्चय है। सभा को कान्ता प्रसाद शर्मा, सुमित मोदी, मदनलाल सैनी, राधेश्याम शर्मा, गोवर्धन तेतरवाल, कैलाश मीणा, राजेन्द्र यादव प्रधान प्रतिनिधि, सवाई सिंह मीणा, राजू महराणियां, मालाराम वर्मा पूर्व सरपंच, भोपाल सैनी, कमल सैनी डाबला, लक्ष्मण सिंह सरपंच, शिवपाल भाटी, बीरबल काजला, सुरेश यादव रामपुरा, राजवीर जाखड़, कैलाश बोपिया, मोहनलाल मीणा, बाबूलाल चौहान, जयराम सिंह, मदनलाल भावरिया, सांवरमल चौधरी, बीरबल राम ने सम्बोधित करते हुए सरकार के निर्णय की कड़े शब्दों में निन्दा की तथा संघर्ष समिति को सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मीटिंग में क्षेत्र के जिला पार्षद, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं पार्षद गणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर विरोध दर्ज करवाया। संघर्ष समिति की ओर से पूर्व सरपंच जवाहर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पधारे हुए सभी लोगों के साथ व्यापार मण्डल एवं सब्जी विक्रेता संघ द्वारा अनिश्चितकालिन बंद का स्वागत किया।

वृद्ध की हत्या का आरोपी अहमदाबाद से गिरफ्तार

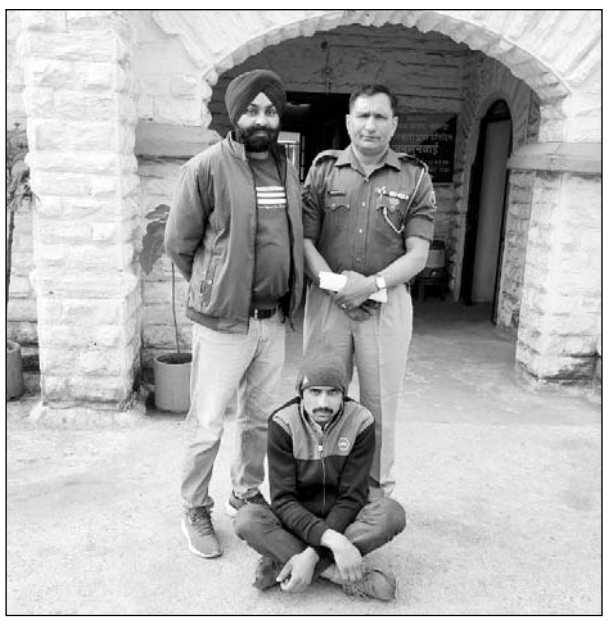

पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद थाना क्षेत्र में वर्ष 2015 में हुई एक वृद्ध व्यक्ति की हत्या के मामले में दस वर्ष से फरार दो हजार रुपये के इनामी अपराधी को डीएसटी टीम ने अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। यह अपराधी जमानत पर रिहा होने के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

- **पुलिस ने बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया**
- **आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो हजार का इनाम भी घोषित किया गया था**

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि दिनेश पिता गोपाल खटीक निवासी मोड़ का निंबाहेड़ा द्वारा 7 अगस्त 2015 को एक लिखित रिपोर्ट दी थी, जिसमें उसने बताया कि पप्पू पिता रामेश्वरलाल दरोगा के मोबाइल से उसके पास फोन आया तो पप्पू ने बताया कि कन्हैयालाल मेरे घर पर आकर लड़ाई- झगड़ा कर रहा है, इसे ले जाओ। इस पर दिनेश अपने घर गया और काका सत्यनारायण व भाई मुकेश को बताया और तीनों भागकर पप्पू के घर पहुंचे। वहां पर देखा तो कन्हैयालाल घर में पलंग पर मृत पड़ा हुआ था। उसी घर में कृष्णा दरोगा, उमेश मुंगड़ व कृष्णा के माता-पिता रामेश्वर दरोगा व उसकी पत्नी इन लोगों को देखकर भागने लगे। दिनेश ने कहा कि मेरे भाई कन्हैयालाल को इन सभी ने षड्यंत्रपूर्वक घर पर बुलाकर कोई संदिग्ध वस्तु खिलाकर गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने अनुसंधान के दौरान अभियुक्त उमेश पिता राधेश्याम मुंगड़ को गिरफ्तार कर न्यायलय में पेश किया। आरोपी उमेश जमानत होने के बाद फरार हो गया था। तारीख पेशी पर कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया। पिछले करीब 10 साल से फरार हत्या के मामले में वांछित होने से आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो हजार का इनाम भी घोषित किया गया। इसी बीच मूखबिर के जरिए आरोपी उमेश के अहमदाबाद में होने की जानकारी मिली, जिस पर डीएसटी टीम के ओमप्रकाश चौधरी और कांस्टेबल अमृत सिंह ने जतिन जैन (प्रोबेशनर) आईपीएस के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए बर्तन का व्यापारी बनकर आरोपी उमेश को गिरफ्तार किया। आरोपी उमेश को आसींद पुलिस के सुपुर्द किया गया, जिसे पुलिस ने कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया।

विशेषज्ञों ने भूजल रिसाव का निरीक्षण किया

जैसलमेर, (निसं)। जिले में मोहनगढ़ क्षेत्र में भूजल रिसाव के मामले में जिला प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर पुख्ता

- **घटनास्थल से पांच सौ मीटर का क्षेत्र निषिद्ध घोषित किया**

प्रबन्ध किए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतापसिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी कर मोहनगढ़ की सुथार मंडी के 27 बीडी क्षेत्र में पानी की अनियतंत्रित निकासी वाले बोरवेल के पांच सौ मीटर परिधि को निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर आम नागरिकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार ने बताया कि अनियंत्रित निकासी वाले बोरवेल का रविवार को केयर्न एनर्जी कंपनी के विशेषज्ञ अधिकारियों ने निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा अतिशीघ्र कारणों का अध्ययन कर रिपोर्ट दी जाएगी और इस पर नियंत्रण की उपचारात्मक कार्यवाही शुरू की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बताया कि मोहनगढ़ विकास अधिकारी द्वारा भराव क्षेत्र से पानी निकासी के लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं जोधपुर विद्युत वितरण निगम के द्वारा जलभराव क्षेत्र में आने वाली बिजली लाइनों की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

शिल्पग्राम महोत्सव : जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र बनी

उदयपुर, (निसं)। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के बाद राजकीय शोक के कारण शिल्पग्राम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रोक दी गई है, फिर भी शहरवासियों का शिल्पग्राम के प्रति उत्साह कम नहीं हुआ है। मुक्ताकाशी मंच पर बनी पिंक सिटी जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति, यहां लगे स्टोन के राशि चिह्नों के स्कल्पचर, गवरी सहित जगह-जगह लगे स्टोन के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स और सांस्कृतिक झलक देतीं शानदार मूर्तियां आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति को देखने लोगों की भीड़ उमड़ रही है। संपूर्ण मेला क्षेत्र में पिकनिक, सेल्फी सेलिब्रेशन और शॉपिंग का खूबसूरत माहौल देखा जा रहा है।

कई आगंतुकों का मानना है कि पिछले 10-12 वर्षों में शिल्पग्राम परिसर में जनरुचि के अनुसार बहुत सारी कलाकृतियां जोड़ी गई है, जिनके कारण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बंद होने के बावजूद जनता में उत्साह न केवल बरकरार रहा, बल्कि उसमें बढ़ोतरी ही हुई है। उदयपुर के दीपक, उमेश, रघुवीर, मेघा, संगीता आदि कई मेलार्थी कहते हैं कि शिल्पग्राम उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नहीं हो रही है तो शिल्पग्राम को अच्छी तरह से देखने का अवसर मिल रहा है। केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी हेमंत मेहता ने बताया कि केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने अपने पहले कार्यकाल में दीर्घकालीन सोच और परिकल्पना के

शिल्पग्राम में मुक्ताकाशी मंच पर बना जयपुर के हवामहल की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मुताबिक शिल्पग्राम को वर्षपर्यंत जीवंत रखने के लिए कई नवाचार किए थे जिनका लाभ केंद्र को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 50 से अधिक वाद्य यंत्र और अनेक आधुनिक मूर्तियां अलग-अलग स्थानों पर स्थापित की गई है, जो अपने आप में शिल्पकला का अद्भुत नमूना तो है ही, साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने का एक अच्छा माध्यम भी है।

हेमंत मेहता का कहना है कि आज सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है तो भी निदेशक खान की सोच के बदौलत शिल्पग्राम को कई ऐसे स्थाई आकर्षण बिंदु मिल पाए, जिन्हें देखकर लोग रोमांचित हो रहे हैं। केंद्र के सहायक निदेशक दुर्गेश चंदवानी का आकलन है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होने के कारण कला प्रेमियों में कुछ मायूसी अवश्य है, परन्तु उत्साह कम नहीं हुआ है। उनके अनुसार इसका फायदा शिल्पकारों के स्टाल्स पर खरीदारी में बढ़ोतरी में देखा जा सकता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगने वाला समय अब खरीदारी में लग रहा है।

बस में आग लगी, जनहानि नहीं

हनुमानगढ़, (निसं)। भादरा क्षेत्र में चलती बस में अचानक एक धमाके की आवाज के साथ आग लग गई। ड्राइवर ने बस को रोककर सभी यात्रियों को बाहर उतारा। बस में लगी अचानक आग से यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल को सूचना दी। भादरा थानाप्रभारी भूपसिंह सहारण ने बताया कि सुबह करीब साढ़े तीन बजे थाने में सूचना मिली कि बस में अचानक आग लग गई है। मौके पर रात्रिकालीन ड्यूटी ऑफिसर पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे। वहां जाकर देखा तो बस में पिछले टायर की साइड में आग लगी हुई थी। यात्रियों को सुरक्षित बाहर उतार लिया गया था। मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम ने दमकल को सूचना दी। सहारण ने बताया कि आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि पिछली साइड अचानक तेज धमाका होने की सूचना जरूर सामने आई है, लेकिन वो धमाका किस चीज का था, वो अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। बस में सवार एक यात्री ने बताया कि विजय ट्रैवल्स नामक कंपनी की बस यूपी के आगरा से श्रीगंगानगर जा रही थी। भादरा बस स्टैंड से थोड़ा पीछे वरदान हॉस्पिटल के पास बस में आग लग गई। यात्री तो सभी सुरक्षित उतर गए, लेकिन बस में आग लगने से डिग्गी में रखा सामान भी जलकर खाक हो गया है। यात्री ने बताया कि हमने आसपास के व्यक्तियों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने भंयकर रूप धारण कर लिया। आरोप लगाया कि दमकल करीबन 50 मिनट देरी से पहुंची।

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2,ए झालाना डूंगरी,जयपुर फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362
E-Mail : secretary.rstb@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना संख्या 340 वर्ष 2024-25

एक वर्ष के लिए मण्डल मुख्यालय एवं राज्य के समस्त जिला वितरण केन्द्रों पर सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब बेसिस पर वाहन चालक, बागवान, सुरक्षा प्रहरी एवं सहायक कर्मचारी की सेवायें अनुबंध पर लिये जाने हेतु सीलबंद टू-बिड पद्धति से ई-बोली दिनांक 18.01.2025 सांय 6.00 बजे आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत राशि रूपये 220.00 लाख है। बोली से संबंधित विवरण एवं शर्तें वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व देखे जा सकते है।

UBN No. : TBB2425SLRC00065
राज.संवाद/सी/24/9665 सचिव

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास - सबको आवास

नववर्ष के इस बुधवार आवासन मण्डल से करें अपने आवास का सपना साकार

बुधवार नीलामी उत्सव
ई-बिड सबमिशन के माध्यम से
जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और अलवर में
बुधवार नीलामी में जुड़े नये आवास

0-50% तक की भारी छूट पर कुल 3940 आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

50% तक की छूट वाले आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

स्थान	स्कीम का नाम	आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड संख्या
जयपुर	महला स्कीम (फ्लैट्स) RAJ/P/2018/785	1209
अजमेर	नाका मदार	15
जोधपुर	कुडीभगतासनी स्कीम	413
	विवेक विहार स्कीम	559
		1
	मगरा योजना, बाड़मेर RAJ/P/2018/765	469
	मारवाड़ अपार्टमेंट RAJ/P/2018/757	14
कोटा (स्वतंत्र आवास)	छबड़ा	330
	सुनेल	3
	रामगंज मण्डी	16
	मंगरोल	239
	चोमेला	178
	छीपाबडोद	192
उदयपुर (स्वतंत्र आवास)	अटल नगर, भींडर	1
	गोविन्द नगर	1
	पीडीएन सुवाना	115
	हाउसिंग स्कीम सागवाड़ा	1

बिना छूट वाले आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड

स्थान	स्कीम का नाम	आवास/फ्लैट्स/भूखण्ड संख्या
ब्यावर	गढ़ी थोरियान	3
जयपुर	द्वारकापुरी - RAJ/P/2018/793	83
	वीकेंड होम नायला-RAJ/2018/722	9
	इन्दिरा गांधी नगर सेक्टर 4,5,8,9 & 10	1
अलवर	NEB एक्सटेंशन	21
	अरावली विहार	5
	सेक्टर 4 & 7	1
आबू रोड	आकराभाटा	1
कोटा (स्वतंत्र आवास)	नैनवा, बूंदी	11
	जेल रोड	9
उदयपुर (स्वतंत्र आवास)	साउथ एक्सटेंशन	1
	शास्त्री नगर, बांसवाड़ा	1
	हाउंसिग स्कीम, परतापुर	37

*उपरोक्त आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।

ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्तः 9461054291/92/319 एवं 9460254319, कमल कुमावत (6376868696) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

विस्तृत विवरण के लिये QR कोड स्कैन करें

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in/
राज.संवाद/सी/24/9674

आवासन आयुक्त

ऐतिहासिक सुजानगंगा नहर का पानी फिर दूषित होना शुरु

पानी दूषित होने के चलते पानी में रहने वाली मछलियों के मरने की शुरूआत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की ऐतिहासिक सुजानगंगा नहर का पानी एक बार फिर दूषित हो गया है। पानी दूषित होने के चलते पानी में रहने वाली मछलियों के मरने की शुरूआत भी अब हो गई है। मछलियों के मरने के बाद उनके सड़ने से आसपास रहने वाले लोगों व राहगीरों का बदबू की वजह से निकलना मुश्किल हो रहा है।

सुजानगंगा नहर में अब से कुछ वर्ष पूर्व भी पानी में मछलियों के मरने की घटना सामने आई थी। तब हजारों मछलियों की मौत हो गई थी। जिसका कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी बताया गया था। एक बार फिर से पानी में मछलियों के मरने की घटना सामने आ रही है। नगर निगम के द्वारा पानी में मरकर ऊपर आ रही मछलियों की सफाई का कार्य भी शुरू

सुजानगंगा नहर के पानी में मरी हुई मछलियां।

कर दिया है। फिलहाल कम संख्या में ही मछलियां मरी है। ऐसे में जल्द मछली के मरने के कारणों का पता लगाकर कारणों का समाधान करने की जरूरत है। नगर निगम के द्वारा समय समय पर लाखों रूपये खर्च कर सुजानगंगा नहर में सफाई

- **मछलियों के मरने के बाद उनके सड़ने से आसपास रहने वाले लोग व राहगीर परेशान**

को लेकर विभिन्न अभियान चलाए जाते हैं। वहीं जिला प्रशासन के द्वारा भी सुजानगंगा नहर में लोगों को कूढा डालने पर सख्त रोक लगा रखी है। इसके बावजूद सुजानगंगा नहर मैली होती जा रही है, जिसका खामियाजा नहर में रहने वाली मछलियों को उठाना पड़ता है। एक बार फिर से मछलियों के मरने से लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं प्रशासन के द्वारा सुजानगंगा नहर में लोगों को बोटिंग की सुविधा भी शुरू की गई है, लेकिन मछलियां मरने और उनकी दुर्गन्ध की वजह से लोगों का बोटिंग से आकर्षण कम होने लगा है। वर्ष 2013 के बाद नहर में कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया गया है। न्यायालय के आदेश नहर को प्रदूषण मुक्त करने के हैं। लेकिन नगर निगम सहित स्थानीय प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सफाई की मशीन सिर्फ ऊपरी सतह से कचरा उठाती है। पानी के अंदर सिल्ट को साफ नहीं किया गया है जो कि पानी को जहरीला बना रही है।

इस बारे में नगर निगम के एक्सईएन रतन सिंह का कहना है कि सुजानगंगा नहर से मरी व जिंदा मछली निकालने का ठेका किया है। मछली ना मरे और जिंदा रहे इसकी जिम्मेदारी मत्स्य विभाग की है।

विधायक राइजिंग राजस्थान के एम.ओ.यू. पर कलेक्टर से नियमित बैठक करें

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर व उदयपुर संभाग के विधायकों को अटल ज्ञान केन्द्र व सद्भावना केन्द्रों पर दिशा-निर्देश दिये

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पिछले दिनों जयपुर में हुई "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमैंट समिट" तभी सार्थक मानी जायेगी, जब उसके तहत हुये एमओयू धरातल पर उतरेंगे। इसके लिये विधायकों को जिला कलेक्टरों के साथ निरन्तर मीटिंग करनी होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन से सर्वांगीण विकास करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आधारभूत विकास के साथ ही, प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लक्ष्य समाज के अन्तिम व्यक्ति को राहत पहुंचाते हुए ,उत्थान और कल्याण सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उनके निवास पर जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों से मुलाकात की।

- विधायकों के सुझावों का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों के बारे में निर्देश दिये

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ निरन्तर बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति का फीडबैक भी लेवें। उन्होंने कहा कि इन घोषणाओं को धरातल पर उतारना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जोधपुर एवं उदयपुर संभाग के विधायकों से बजट घोषणाओं के विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, जमीन आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि आमजन के कल्याण एवं क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप जनहित के विकास कार्यों की सूची बनाकर भेजें, ताकि इन्हें आगामी बजट में शामिल किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने विधायकगणों को मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन, अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना और "खेलो इंडिया" अभियान की तैयारी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार के कार्यों, योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए। शर्मा ने कहा कि विधायकों के कार्यों से ही क्षेत्र में बदलाव आता है और जनता का विश्वास कायम होता है। उन्होंने विधायकों के सुझावों का संज्ञान लेते हुए, अधिकारियों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत निर्माण कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

शर्मा ने कहा, प्रत्येक जिले में पंच गौरव कार्यक्रम के तहत एक जिला-एक उपज, एक जिला-एक प्रजाति, एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक पर्यटन स्थल और एक जिला-एक खेल की नियमित मॉनिटरिंग कर, इन्हें बढ़ावा देवें। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जारी 10 नवीन नीतियों का भी प्रचार-प्रसार किया जाए।

गहलोत ने आनन-फानन में बनाए थे नए जिले : डॉ अरूण चतुर्वेदी

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सेवानिवृत्त अधिकारी की समिति की रिपोर्ट आने से पूर्व ही केवल राजनीतिक दृष्टि से वोटों की फसल काटने के लिए आनन-फानन में 17 नए जिलों की घोषणा की थी। इतना ही नहीं, गहलोत ने जिस दूदू को 3 माह पूर्व नगर पालिका बनाने की घोषणा की, उसे सिर्फ अपने चहेतों को खुश करने के लिए 3 माह के बाद जिला बना दिया।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी और भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने प्रदो कार्यालय में प्रेस को संबोधित किया।

- मुख्यमंत्री शर्मा के नए जिलों को लेकर किए गए निर्णय से आमजन खुश, मुख्यमंत्री का जताया आभार : पुष्पेंद्र सिंह राणावत

डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 5 साल तक सत्ता के संघर्ष में लगे रहे। अपनी सरकार बचाने के लिए होटलों के चक्कर लगाते रहे और चुनावी साल में आने वाली सरकार के लिए चुनौतियां खड़ी करने के लिए बिना किसी प्लानिंग के जिलों की घोषणा कर दी। कांग्रेसी नेता पिछले एक साल से जनता के बीच भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहे है। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार एक के बाद एक संकल्प पत्र के वादों को पूरा करने में जुटी हुई है।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि ईआरसीपी को अमलीजामा पहनाने का मामला हो, यमुना जल समझौते को मूर्त रूप प्रदान करने का मामला, पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर आरपीएससी सदस्यों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का मामला हो, संगठित अपराध पर नकेल कंसने का मामला हो, ऊर्जा का क्षेत्र हो या फिर सरकार के पहले ही साल राइजिंग राजस्थान समिट करने का मामला हो भाजपा सरकार चरणबद्ध तरीके से कार्य पुरा कर रही है। इसके बावजूद कांग्रेसी नेता झूठ और भ्रम फैलाकर राजनीति कर रहे है।

भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्तीय संसाधनों के अभाव में आनन फानन में वोट बटौरने के लिए नए जिले बनाए। जबकि राजस्थान में आजादी के बाद 2023 तक 26 से महज 7 नए जिले बनाए गए। गहलोत ने चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए 17 नए जिले बना दिए, यह तर्क संगत नहीं था। राणावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कैबिनेट द्वारा नए जिलों को लेकर किए गए निर्णय से आमजन खुश है। आज दूदू के लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर आभार जताया और जयपुर में शामिल करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी तरह भीनमाल के लोगों ने भी खुशी व्यक्त की। सरकार ने जिलों की प्रशासनिक, आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए 9 जिलों को रद्द करने तथा 3 संभाग को निरस्त करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित राजस्थान 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे है।

तीन लेखकों का हुआ सम्मान

जयपुर। विरासत का गर्व करना अच्छी बात है किन्तु विरासत के सन्देश को व्यापक बनाना और उसे सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना से जोड़ना कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। सम्भावना संस्थान ने मेवाड़ के प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना की स्मृतियों को सहेजने का जैसा अनुष्ठान किया है वह सचुमच अनुकरणीय है। सुपरिचित लेखक और निबंधकार डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान समारोह में प्रो अवधेश प्रधान और प्रताप गोपेन्द्र को सम्मानित करते हुए कहा कि इन दोनों लेखकों ने हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नयी पीढ़ी के लिया पुनर्नवा किया है।

आयोजन में वर्ष 2022 के लिए सोपान जोशी की कृति जल थल मल, 2023 के लिए अवधेश प्रधान की सीता की खोज और 2024 के लिए प्रताप गोपेन्द्र की कृति चंद्रशेखर आज़ाद : मिथक बनाम यथार्थ को सम्मानित किया गया। डॉ अग्रवाल, हिंद ज़िंक मजदूर संघ के महामंत्री घनश्याम सिंह राणावत, प्रो माधव हाड़ा और शहर के साहित्य प्रेमियों ने लेखकों को शॉल, प्रशस्ति पत्र और राशि भेंट कर अभिनन्दन किया। युवा शिक्षक डॉ माणिक ने सोपान जोशी, डॉ रेणु व्यास ने अवधेश प्रधान और महेंद्र खेरारू ने प्रताप गोपेन्द्र के लिए प्रशस्ति वाचन किया।

सम्मान ग्रहण करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रो अवधेश प्रधान ने अपनी कृति सीता की खोज के संदर्भ में कहा कि राजनीति भूगोल की छोटी-छोटी सीमाओं में बाँटकर प्रभुत्व का दम

- स्वतंत्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान समारोह आयोजित

भर सकती है लेकिन सीता ने जन-मन में सब सीमाओं के ऊपर प्रेम और करुणा का जो भाव सेतु बाँध दिया है उसे तोड़ना किसी राज्य और सेना के बूते में नहीं है। प्रो प्रधान ने कहा कि वाल्मीकि से तुलसीदास और लोककवियों तथा लोककाव्यों ने हजारों वर्षों तक लाखों लोगों के हृदय में सीता की भावमूर्तियाँ गढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि. महाभारत, भास, कालिदास, भवभूति, तुलसीदास और लोकगीतों की सीता को खोजते हुए उन्होंने पाया कि भारतीय जनमानस में सीता की छवि अत्यंत उज्ज्वल और पावन है जो हमेशा मनुष्य जीवन को संवेदनशील और संघर्षशील बनाती रहेगी।

पुलिस सेवा के अधिकारी और लेखक प्रताप गोपेन्द्र ने कहा कि चित्तौड़गढ़ की वीर भूमि पर इस सम्मान को ग्रहण करना अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने अपनी कृति के सम्बन्ध में कहा कि अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की छवि में मिथक और यथार्थ इतने अधिक घुलमिल गए हैं कि उनकी वास्तविक छवि को प्राप्त करना अत्यंत दुष्कर है। उन्होंने पुस्तक की रचना प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि अंग्रेजी शासन की पत्रावलियों और दस्तावेजों को खोजने और उनका सही विश्लेषण कर आज़ाद की वास्तविक पहचान करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण सफर रहा। इस कृति ने अनेक नवीन तथ्यों का उद्घाटन किया है जिससे आज़ाद के सम्बन्ध में प्रचलित अनेक विरोधाभासों का संधान हो सकता है।

इससे पहले आयोजन में स्वागत भाषण करते हुए संभावना के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने बताया कि वर्ष नन्दवाना के शताब्दी वर्ष 2019 से प्रारम्भ हुए इसे सम्मान में अब तक कुल छह विद्वान लेखकों की कृतियों को चुना गया है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। संभावना के सदस्य डॉ गोपाल जाट को कालेज शिक्षक में चयनित होने पर डॉ ए एल जैन एवं प्रो सुरेश चंद्र राजोरा ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विजन कालेज ऑफ़ मैनेजमेंट में हुए सम्मान समारोह में के एम भंडारी, डॉ सत्यनारायण व्यास, डॉ के एस कंग, डॉ भगवान साहू, मुन्नालालडाकोत, डॉ गोविंदराम शर्मा, जी एन एस चौहान, श्रमिक नेता सत्येंद्र कुमार मोड़, राष्ट्रीय कवि अब्दुल जब्बार, अनिल जोशी, गुरविंदर सिंह, सुभाषचंद्र नन्दवाना, मनोज जोशी, जे पी भटनागर, नंदकिशोर निर्झर, कवि भरत व्यास, संतोष कुमार शर्मा, सीमा पारीक, घनश्याम सिंह चौहान, किरण सेठी ,विकास अग्रवाल, बाबूलाल कच्छावा सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। संयोजन डॉ कनक जैन ने किया और अंत में नन्दवाना परिवार की तरफ से डॉ पल्लव ने आभार प्रदर्शित किया।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ मनमोहन सिंह की याद में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए जयपुर शहर जिला कांग्रेस ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस जनों ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष आर आर तिवाड़ी ने कहा कि देश को विभिन्न लाभकारी योजनाएं देने वाले डॉ मनमोहन सिंह हमारे बीच में नहीं रहे लेकिन जनता को उन्होंने मनरेगा शिक्षा का अधिकार स्वास्थ्य का अधिकार सूचना का अधिकार आदि ऐसी अनेक योजनाएं दी।

गहलोत ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए बनाए थे नए जिले : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत अपनी अल्पमत सरकार को सहयोग करने वाले विधायकों को खुश करने के लिए आनन-फानन में नए जिलों की घोषणा कर दी थी, इतना ही नहीं, गहलोत ने पूर्व सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में समिति तो गठित की लेकिन नए जिलों की घोषणा के बाद स्वयं रामलुभाया ने आश्चर्य व्यक्त किया था। इसका मतलब साफ है कि गहलोत ने समिति को भी अंधेरे में रखकर विधायकों को खुश करने के लिए जिलों की रेवडियां बांटी थी ताकि उनकी अस्थिर सरकार को सहारा मिल सकें।

- 'गहलोत ने रामलुभाया समिति को भी अंधेरे में रखकर विधायकों को बांटी नए जिलों की रेवडियां'

राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी जिलों की समीक्षा करने के बाद भूपपूर्व प्रशासनिक अधिकारी ललित के पंवार की अध्यक्षता में समिति का गठन किया, मंत्री मंडल की समिति बनाई और इनकी रिपोर्ट के बाद कैबिनेट बैठक में 9 जिलें एवं 3 संभाग समाप्त करने का प्रस्ताव किया है। समिति के साथ भाजपा सरकार ने राजस्थान की भौगोलिक, सांस्कृतिक और जनसंख्या के आधार पर जनता की मांग को देखते हुए 41 जिले और सात संभाग रखने का फैसला किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गहलोत सरकार ने नए जिले तो घोषित कर दिए लेकिन उन जिलों को चलाने के लिए ना तो आर्थिक प्रबंधन किया और ना ही उनके कार्यालय संसाधन आदि की व्यवस्था की। गहलोत तो 5 साल तक सरकार बचाने में जुटे रहे। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच शीत युद्ध जनता के सामने है। गहलोत और पायलट दोनों अपने खेमों के विधायकों को लेकर होटलों में कैम्प चलाते रहे। ऐसे में गहलोत विधायकों को संतुष्ट करने में जुटे रहे और गहलोत सरकार ने बिना गहन चिंतन किये चुनावी आचार संहिता लगने से एक दिन पूर्व अचानक नए जिलों की घोषणा कर दी। गहलोत ने ऐसे भी नए जिले बना दिए जिसकी कभी किसी ने कोई मांग तक नहीं की।

रसायन रहित बागवानी खेती ही कारगर, प्राकृतिक उद्यानिकी खेती को बढ़ावा मिले : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कृषि उद्यानिकी के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को देश में रसायन रहित कृषि के लिए वातावरण निर्माण किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से रोग ही नहीं बढ़ रहे बल्कि धरती की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। उन्होंने उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाकर उसके निर्माण के लिए भी देशभर में कार्य करने का आव्हान किया।

बागडे रविवार को अखिल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय कुलपति संघ द्वारा "उद्यानिकी फसलों के संरक्षण" विषयक आयोजित 16 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कम पानी से होने वाली फसलों, फल, फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से बचाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी कृषि विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए भी आवश्यक रूप से कार्य करने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन द्वारा 2008 में प्रस्तुत कृषि सुधारों की बनी समिति के सुझावों पर चर्चा करते हुए कहा कि लाभकारी कृषि के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि उद्यानिकी के प्राचीन ज्ञान के आलोक में कृषि की नवीन तकनीक से खेती को लाभकारी किए जाने पर जोर दिया।

बागडे ने कहा कि हमारे यहां धीरे धीरे जंगल कम होता जा रहा है। पहले अनाज जब नहीं होता था और खेती की पैदावार नहीं थी तब उद्यानिकी फसलों पर ही मनुष्य निर्भर था। पर धीरे धीरे इस दिशा में ध्यान नहीं देने के कारण जंगलों में बहुत सी उद्यानिकी फसलें लोप हो गई। उन्होंने स्थान विशेष की जलवायु के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के अधिकाधिक उत्पादन के लिए कार्य किए जाने का आव्हान किया।

रो. प्रशांत शर्मा अध्यक्ष नॉमिनी निर्वाचित

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर रॉयल द्वारा बुधवार को रोटरी क्लब सभागार में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकारी समिति 2025-26 और अध्यक्ष 2026-27 की घोषणा की गई। रोटेरियन प्रशांत शर्मा को सर्वसम्मति से 2026-27 के अध्यक्ष पद के लिए प्रेसिडेंट नॉमिनी घोषित किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचन अधिकारी रो. मोहनीश मेहरा द्वारा 2025-26 की कार्यकारिणी के तहत उपाध्यक्ष के रूप में रो. राजेश विजय को चुना गया।

विश्वकर्मा इलाके में गत्ता और प्लास्टिक की फैक्ट्री में आग

12 से ज्यादा दमकलों ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वी.के.आई) में रोड नंबर 14 पर स्थित गत्ते और पानी की टंकी बनाने की दो फैक्ट्रियों में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई।

आग की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और फायर अधिकारी दमकलों के साथ मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते आग ने विकराल ले लिया। दोनों फैक्ट्री से आग की ऊंची लपटें निकलने लगी। फायर-ब्रिगेड की 12 से ज्यादा गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सीएफओ ग्रेटर गौतम लाल ने बताया कि रविवार सुबह 6.40 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से आग लगने की जानकारी मिली। वीकेआई से 5 फायर-ब्रिगेड, बनीपार्क से 2, बिंदायका से 2 और घाटगेट से 3 फायर-ब्रिगेड को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। सुबह 8.30 बजे तक लगभग आग को कंट्रोल करने में टीम को सफलता मिली। इसके बाद भी कई जगह से धुआं आने पर उसे पूरी तरह से बुझाने में टीमें लगी रही।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने वाली दोनों फैक्ट्री में से एक में गत्ता और दूसरी फैक्ट्री में पानी की टंकी बनती हैं। इन दोनों फैक्ट्रियों के पास में थिनर का भी गोदाम है। अगर आग की लपटें उस तक पहुंचती तो बड़े इलाके में आग फैल सकती थी। इसके चलते अग्निशमन विभाग की एक टीम ने समझदारी दिखाते हुए थिनर की फैक्ट्री खुलवाकर उसमें पानी का छिड़काव करते रहे, ताकि आग की हीट से होई नुकसान फैक्ट्री को न हो। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके की लाइट भी बंद करवाई और लोगों को फैक्ट्रियों से दूर करके आग बुझाने में मदद की।

- जिन फैक्ट्रियों में आग लगी, वहां नजदीक ही थिनर का गोदाम था, अगर आग वहां तक पहुंचती तो बड़ा हादसा हो सकता था
- अग्निशमन टीम को जैसे ही थिनर गोदाम का मालूम चला तो समझदारी दिखाते हुए एक टीम ने वहां पानी डालाना शुरू कर दिया था, ताकि आग की तपिश से यहां कोई हादसा नहीं हो

विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह गत्ता व प्लास्टिक की पानी की टंकी बनाने की फैक्ट्री में लगी भीषण आग को दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया।

'संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट'

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात कार्यक्रम के 117वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद एवं विधायकगण के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। मोदी ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो रहे हैं। ये हमारे लिए गर्व की बात हैं। संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट है, हमारा मार्गदर्शक है।

संविधान की वजह से ही आज मैं आपसे बात कर पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस साल 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई एक्टीविटिज शुरू हुई हैं। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए 75. नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है। इसमें आप संविधान की प्रस्तावना पढ़कर अपना वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' में उद्बोधन सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणादायी होते हैं। उनको सुनकर नवीन ऊर्जा का संचार होता है। देश निरन्तर उपलब्धियां हासिल कर रहा है, उसको जानकर हमें गर्व की अनुभूति होती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के पथ पर तेजी से अग्रसर है।

बीते 2 दिनों में 746 खुले बोरवेल और कुएं ढकवाए

खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन ने दिखाई सतर्कता

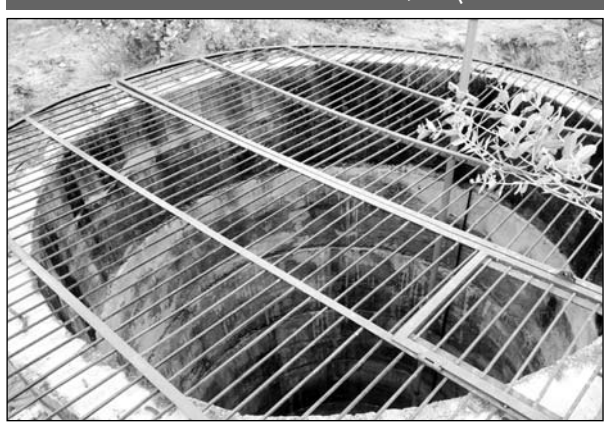

जयपुर। खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बेहद संवेदनशील हैं। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालन में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ऐसे हादसों को रोकने के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने मुहिम के तहत विगत दो दिनों में कुल 746 खुले बोरवेल एवं कुंए ढकवाए।

अतिरिक्त कलक्टर मुकेश कुमार मूंड ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर तहसील में 13, आमेर तहसील में 30, कालवाड़ तहसील में 33, तूंगा तहसील में 69, जमवारामगढ तहसील में 24, माधोराजपुरा तहसील में 26, बस्सी तहसील में 30, चाकसू तहसील में 63, आंधी तहसील में 30, किशनगढ़- रेनवाल तहसील में 36 खुले बोरवेल एवं कुंए लोहे की प्लेट एवं जालियों से ढकवाए गए हैं। कोटखावदा तहसील में 11, सांभर तहसील में 68, जोबनेर तहसील में 16, रामपुरा डाबड़ी तहसील में 17, सांगानेर तहसील में 22, शाहपुरा तहसील में 82, चौमूं तहसील में 20, जालसू तहसील में 30, दूदू तहसील में 58, फागी तहसील में 27 और मोजमाबाद तहसील में 41 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए गए। वहीं, राज्य सरकार के निर्देश पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को 328 तो वहीं 418 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए।

150 घण्टे से 150 फीट गहरे बोरवेल में फंसी है मासूम बालिका चेतना

देर शाम तक एनडीआरएफ टीम ने करीब पांच फीट तक टनल खुदाई की

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली के ग्राम किरतपुरा की ढाणी बडियाली में बोरवेल में सोमवार 23 दिसम्बर की दोपहर में गिरी तीन वर्षीय मासूम बालिका चेतना पुत्री भूपेन्द्र चौधरी को सात दिन का समय 150 फीट गहरे बोरवेल में हो चुका है। तमाम जतन के बावजूद भी ऑपरेशन चेतना सफल नहीं हुआ है। अब यह ऑपरेशन हताशा और निराशा बनता जा रहा है।

हालांकि चेतना को रेस्क्यू करने के लिये एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, आरएएसी, पुलिस-प्रशासन सहित नगरपरिषद कोटपूतली का अभियान सातवें दिन रविवार को भी जारी रहा। मौके पर जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व एसपी राजन दुष्यंत के नेतृत्व में लगातार टीमें अपने हरसम्भव प्रयास कर रही है। इस सम्बंध में जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि इस रेस्क्यू की तुलना अन्य ऑपरेशन से नहीं की जा सकती। यह राजस्थान का सबसे लम्बा व मुश्किल ऑपरेशन है। यदि भारत में हुए बोरवेल हादसों के आंकड़ों पर नजर डाली जाये तो यह राजस्थान ही नहीं बल्कि पुरे भारत का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन बन चुका है।

वहीं दूसरी और चेतना के परिजनों सहित ग्रामीणों का भरोसा अब पुलिस व जिला प्रशासन तथा सरकार से भी उठने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्लान बी समय से शुरू कर दिया गया होता तो शायद बच्ची अभी तक बोरवेल के बाहर होती। इधर मासूम के इंतजार में बैठी चेतना की मां धोली देवी की आँखें पथरा गई है, आंसू सूख चुके है। धोली देवी अभी भी ईश्वर के साथ-साथ रेस्क्यू टीम, पीएम मोदी व सीएम भजनलाल शर्मा से अपनी बच्ची की सलामती की गुहार लगा रही है। जहां बोरवेल में फंसी बच्ची लगभग सात दिनों से भूखी-प्यासी है, वहीं उसकी मां धोली देवी ने भी इतने दिनों से कुछ नहीं खाया है। पीड़ित परिवार के खाने-पीने का ध्यान पड़ौसी व ग्रामीण ही रख रहे हैं।

इधर बच्ची का कोई मुवमेंट भी नहीं मिल रहा है। इसको लेकर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, आरएएसी सहित स्थानीय पुलिस प्रशासन के प्रयास अभी तक अंजाम तक नहीं पहुंचे हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा देशी तकनीक से प्लान ए के विफल हो जाने के बाद पूर्णतया प्लान बी पर निर्भर होकर आगे के प्रयास किये जा रहे हैं। लम्बा समय बीतने पर बच्ची की सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार रात्रि पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा व रविवार अल सुबह नांगल चौधरी (हरियाणा) की विधायक मंजू चौधरी ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान का जायजा लिया। चेतना को जल्द से जल्द रेस्क्यू करने के लिये बीकानेर के नौखा से विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी व सूरतगढ़ विधायक डुंगरराम गेदर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

उल्लेखनीय है कि चेतना करीब 750 फीट गहरे बोरवेल में करीब 150 फीट पर अटकी हुई है। टनल की खुदाई में बेहद चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। करीब 08 से 09 फीट लम्बी टनल में पत्थर आ गया है। जिसको खोदने के लिये प्रत्येक दल के सदस्यों को पंखा, ड्रिल, हैमरींग व कटर मशीन, लाईट उपलब्ध करवाई गई है। साथ ही ऑक्सीजन व सीसीटीवी फुटेज की व्यवस्था भी की गई है। रविवार देर शाम तक एनडीआरएफ टीम द्वारा करीब पांच फीट की टनल खोद ली गई थी। वहीं कार्य लगातार जारी है।

बोरवेल में गिरी चेतना को रेस्क्यु करने के लिये टीमें लगी हुई है।

- **यह राजस्थान का सबसे लम्बा व मुश्किल ऑपरेशन : जिला कलेक्टर**

ए.टी.एम. में प्लेट लगाकर नगदी निकालने का प्रयास

एटीएम मशीन को खोलकर नगदी निकालते चोर को रंगे हाथों गार्डों ने दबोचा

नवलगढ़, (निसं)। कस्बे के बावड़ी गेट बस स्टैंड चौक में लगे एसबीआई के एटीएम मशीन को खोलकर नगदी निकालते चोर को रंगे हाथों एटीएम गार्डों ने दबोच लिया। जरा सी चूक हो जाती तो चोर पैसे लेकर अपने दो साथियों सहित फरार हो जाते। एटीएम मशीनों में केश डालने और सुरक्षा के लिए गार्ड उपलब्ध करवाने वाली कंपनी हिटाची पेमेंट सर्विस के प्रतिनिधि जेरठी निवासी कुलदीप सिंह पुत्र बजरंगसिंह ने इस वारदात के संबंध में नवलगढ़ पुलिस थाने में रविवार को मुकदमा दर्ज करवाया है।

कुलदीप सिंह ने रिपोर्ट दी कि नवलगढ़ बावड़ी गेट एसबीआई एटीएम से गार्ड राजेंद्र ने मुझे फोन करके बताया कि किसी अंजान व्यक्ति ने एटीएम के मुंह पर पट्टी लगा दी है और वो 2-3 व्यक्ति है, जिनका मैं अकेला सामना नहीं कर सकता। तो मैं एटीएम पर आया और देखा तो एटीएम पर पट्टी लगी हुई थी। उसके बाद में गार्ड राजेंद्र और दूसरे गार्ड लालचंद मीणा को मैंने एटीएम के बैक रूम के अंदर बैठाकर एटीएम के अंदर आने वाले अंजान व्यक्ति का सीसीटीवी कैमरे में देखकर ध्यान रखने को कहा। दो-तीन घंटे तक कोई नहीं आया तो हमने पंचायत समिति नंवलगढ़ के पास लगे हमारे दूसरे एटीएम पर जाकर देखा तो उस एटीएम पर भी पट्टी लगी हुई थी और किसी ग्राहक के 20 हजार रूपए अंदर फंसे हुए मिले तो हमने पुलिस को सूचना देकर घटना के बारे में बताया। इसके बाद हम वापस बावड़ी गेट वाले एटीएम पर रविवार सुबह छह बजे पहुंचे तो देखा कि एटीएम में दो अंजान व्यक्ति दिखे जिन्हें गार्ड लालचंद, अमित कुमार व राजेंद्र महण ने पहचान लिया और दोनों को पकड़ लिया। दोनों से नाम पूछा तो एक ने रविंद्र पुत्र बाबूलाल मेघवाल निवासी इस्लामपुर बगड़ और दूसरे ने संजय पुत्र मांगीलाल मेघवाल निवासी इस्लामपुर बगड़ बताया। यह दोनों चोर पिछले दस दिनों से एटीएम में चोरी कर रहे थे और दोनों चोरों ने अपना गुनाह भी कबूल कर लिया। पुलिस को बुलाकर इन दोनों को नवलगढ़ पुलिस थाने पर भेज दिया। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

- **दोनों चोर दस दिन से एटीएम में चोरी कर रहे थे और गुनाह भी कबूला**

एटीएम मशीन को खोलकर नगदी निकानले का प्रयास किया गया।

पेड़ से टकराई कार, चार घायल

हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी।

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में नेशनल हाइवे-11 पर परसनेऊ के पास तेज गति से दौड़ती हुई कार अनियंत्रित होकर हाइवे के साइड में जाकर एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो महिलाएं व दो पुरुष गंभीर घायल हो गये। मौके पर जुटी भीड़ ने घायलों को निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्साकर्मियों ने प्राथमिक उपचार कर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया। इधर घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार कार सवार सोयब (27), नफीसा (28), साईमा (29), जीसान (32) कायमखानी बीकानेर से दिल्ली जा रहे थे। परसनेऊ के पास तेज गति कार अनियंत्रित हो गई तथा पेड़ से टकरा गई। कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी।

उदयपुर में सर्द हवाएं चली

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में कोहरा छटने के बाद शनिवार रात से हवाओं ने जोर पकड़ लिया और ठंड को बढ़ा दिया। रविवार को एक ही दिन में तापमान में करीब आठ डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है वहीं ठंड का यह प्रकोप साल के आखिरी दिनों में बना रहेगा और कड़ाके की ठंड पड़ेगी। तापमान फिर से सिंगल डिजिट में पहुंच गया है। झीलों का शहर बीते तीन दिनों से कोहरे की चादर ओढ़े था शनिवार को सूरज ने दर्शन दिए और जिससे सर्दी से थोड़ी राहत दिन में महसूस की गई, लेकिन शनिवार को रात होते-होते सर्द हवाएं चलने लगी और सर्दी एकदम बढ़ गई। आगामी दिनों में सर्दी का कड़क रूप बना रहेगा। इधर, मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शहर का तापमान 8.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को यह तापमान 16 डिग्री पर था एक ही दिन में बादल छटने के साथ तापमान में आठ डिग्री की कमी हुई है। रविवार को दिनभर सर्द हवाएं चुभन का एहसास कराती रही और रात होते होते सर्दी और बढ़ गई।

सोशल मीडिया पर फैमस होना युवक को भारी पड़ा

अजमेर, (कासं)। सोशल मीडिया पर फैमस होने के लिए युवक द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल पर एयरगन को हवा में घुमाते हुए रील बनाना महंगा पड़ गया। वीडियो वायरल होने के बाद एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस वह बुलेट मोटरसाइकिल भी जप्त कर ली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्रिश्चियनगंज थाना अधिकारी अरविंद सिंह चारण ने बताया कि सोशल मीडिया पर फैमस होने के लिए बुलेट पर एयरगन के साथ घूमते युवक गिरफ्तार कर लिया है। सोशल मीडिया पर बुलेट पर युवक का एयरगन के साथ घूमते हुए का वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें कुछ युवक बुलेट मोटरसाइकिल पर बैठकर हाथ में एयरगन लेकर आनासागर चौपाटी के पास सड़क पर चलते हुये दिखाई दे रहे हैं। एसपी वंदिता राणा के दिशा निर्देश पर मामले पर तत्काल संज्ञान और गंभीरता से लेते हुए वीडियो की जांच पड़ताल की गई। युवकों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों व वीडियो के आधार पर वाहन मालिक का पता लगाकर युवक कुणाल पुत्र मनोहर सांखला निवासी सोनी जी की नसिया के पास आगरा गेट को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी युवक के पास एयरगन को बरामद कर घटना के वक्त प्रयुक्त वाहन बुलेट जप्त कर एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि युवक सोशल मीडिया पर फैमस होने के लिये एयरगन लेकर अपने दोस्तों के साथ बुलेट पर पुरानी चौपाटी घूमने गया तथा एयरगन को हवा में लहराकर वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर फैमस होना चाहता था ताकि इंस्टाग्राम पर फॉलोअर बढ़ सके तथा दोस्तों में रूतबा बढ़ सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- **पुलिस को युवक को गिरफ्तार किया, बुलेट मोटरसाइकिल जप्त की**

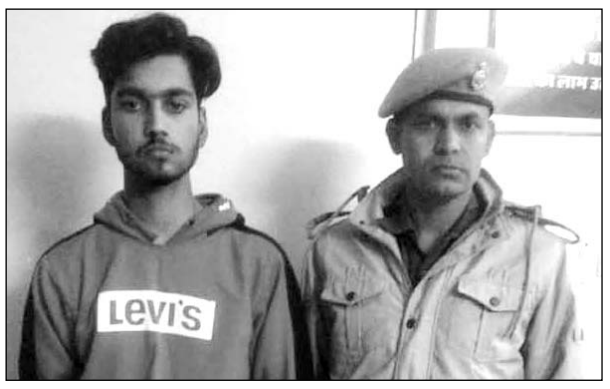

पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने 13 वर्षीय रेप पीड़िता और उसके नवजात की मौत के मामले में रेप के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार चार दिन पहले पेट दर्द की शिकायत पर परिजन नाबालिग को लेकर जिला अस्पताल आए थे, जहां उसके आठ महीने के गर्भ के होने का पता चला था। वहीं अर्ध विकसित बच्ची को जन्म देने के बाद नवजात और उसकी 13 वर्षीय मां की मौत हो गई थी। जिले के महिला उत्पीड़न अनुसंधान सेल के एडिशनल एसपी और जांच अधिकारी राजीव परिहार ने बताया कि थाना क्षेत्र की रहने वाली एक 13 साल की रेप पीड़िता गर्भवती थी। 24 दिसंबर मंगलवार रात के समय रेप पीड़िता नाबालिग के पेट में अचानक दर्द होने लगा, जिस पर परिवार के लोग उसे तुरंत जिला अस्पताल लेकर आए थे। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे एमसीएच में भर्ती कर लिया। रात के समय नाबालिग पीड़िता ने आठ महीने की अर्ध विकसित बच्ची को जन्म दिया था, लेकिन नवजात मृत पैदा हुई।

वहीं प्रसव के बाद नाबालिग रेप पीड़िता की भी मौत हो गई थी। परिजनों ने सदर थाना पुलिस को रिपोर्ट देते हुए एक 23 वर्षीय युवक पर मृतका के साथ रेप करने का संदेह जताया था। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। आरोपी की कई जगह तलाश की, लेकिन पता नहीं लग सका। आरोपी गुजरात में नाम और पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी का पता लगाते हुए गुजरात के बायड से पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में भी आरोपी युवक ने रेप की वारदात कबूल कर ली है। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चोरी मामले में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने गत दिनों कॉस्मेटिक शॉप से हुई नौ लाख रुपए नगदी चोरी के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 लाख 5 हजार 200 रुपए भी बरामद किये। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कोतवाली थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बलदेव नगर निवासी भगवान हरपालनी ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया कि उसकी चूड़ी बाजार में गणपति टावर स्थित न्यू फैशन के नाम से दुकान है। 26 नवम्बर को चोर दुकान के ताले तोड़कर गल्ले में रखे 9 से 10 लाख रुपए नगदी चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी सतावड़िया मसूदा निवासी पवन बैरवा को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

पंचायतों में गुटबाजी के चलते घोटालों की शिकायतों के अंबार लगे

बीकानेर, (निसं)। पंचायत चुनाव नजदीक आने के साथ ही ग्राम पंचायतों में गुटबाजी के चलते वित्तीय अनियमितताओं और घोटालों की शिकायतों के अंबार लग गए हैं। जिले की 366 ग्राम पंचायतों में से 11 की ऑडिट में करीब डेढ़ करोड़ रुपए के गबन के मामले उजागर हुए हैं।

जिला परिषद और पंचायत समितियों में अधिकारी इन दिनों पंचायत राज चुनाव की तैयारी करने के बजाय अनियमितताओं की शिकायतों की जांच में उलझे हुए हैं। जिला परिषद में दो साल में करीब 300 शिकायतें आई थी, जिनमें से 150 ही पेंडिंग थी। हालात ये है कि इन छह महीनों ही 50 नई शिकायतें मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पास और आ गई हैं। जिला परिषद में अब 200 शिकायतों की जांच चल रही है। इनमें अधिकांश शिकायतें आपसी गुटबाजी को लेकर करनी बताई जा रही है। कहीं ग्रामसेवक तो कहीं सरपंच या उप सरपंच पर गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। नरेगा में भुगतान और जमीन के पट्टे नहीं बनाने जैसी शिकायतें भी शामिल हैं। 11 ग्राम पंचायतों की ऑडिट से एक करोड़ 49 लाख 31 हजार 868 रुपए के गबन के मामले सामने आए हैं। इनमें से कुछ में रिकवरी हुई तो कुछ में नहीं हो पाई। पुलिस थानों से लेकर कोर्ट तक मामले लंबित चल रहे हैं। रिकवरी के लिए अब संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच और ग्राम सेवकों को नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। इनमें 1997, 2009-10 से लेकर 2023 तक के मामले शामिल हैं। पंचायतों की ऑडिट स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग की ओर से की गई थी। मामले संभागीय आयुक्त तक पहुंचे हुए हैं। जिले में 366 ग्राम पंचायतें है। नापासर में घपले सबसे ज्यादा है। फरवरी 2025 में पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो रहा है अब प्रशासक लगाए जाएंगे। पंचायतीराज के चुनाव अगले साल प्रस्तावित हैं।

पांचू में 2021 से 23 तक की ऑडिट में पारवा में 24 लाख और नाथूसर में 20 लाख का गबन माना गया है। इन दोनों ग्राम पंचायतों ने अपना रिकॉर्ड ही अब तक पेश नहीं किया है। कालू ग्राम पंचायत में वर्ष 2015 से 2018 तक की ऑडिट में 88 हजार रुपए का गबन माना गया था। जांच के दौरान इस राशि की रिकवरी हो चुकी है। लूणकरणसर के महाजन में 2015-16 की ऑडिट में 5.98 लाख रुपए का गबन उजागर हुआ था, जिसमें 1.34 लाख की वसूली सरपंच और ग्राम सेवक से हो चुकी है। इस प्रकरण में पुलिस में एफआईआर भी हुई। अब प्रकरण कोर्ट में लंबित है। खाजूवाला में वर्ष 2008-09 में सात लाख रुपए का गबन हुआ था। पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज हुई। आरोपी सरपंच और ग्राम सेवक दोनों की ही मृत्यु हो चुकी है। इस रकम की रिकवरी नहीं हो पाई। बीठनोक में 2008-09 की ऑडिट में 4.32 लाख और 2011-12 की ऑडिट में 70 हजार रुपए का गबन उजागर हुआ था। रिकवरी अब तक पेंडिंग है। कोलायत में 2009-10 की ऑडिट में 13 लाख रुपए का गबन उजागर हुआ था। रिकवरी अब तक नहीं हो पाई। बरसलपुर में 2008-09 की ऑडिट में 65 लाख रुपए के गबन का मामला एसीबी कोर्ट में पेंडिंग है। ग्राम सेवक की मृत्यु हो चुकी है। नापासर में 1.43 लाख रुपए का गबन 1997-98 में हुआ था, जिसकी रिकवरी हो गई। इसी प्रकार कालासर में 60 हजार की रिकवरी की गई है। मूंडसर में 1.87 लाख रुपए के गबन के मामले में ग्राम सेवक की वेतन वृद्धि रोक दी गई है। नापासर ग्राम पंचायत में डीजल घोटाला सामने आया है।

- **जिले की 366 ग्राम पंचायतों में से 11 की ऑडिट में करीब डेढ़ करोड़ के गबन के मामले उजागर**

जी.के. के पेपर में 57.99 प्रतिशत उपस्थिति रही

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से सीनियर टीचर (संस्कृत शिक्षा विभाग) भर्ती परीक्षा का विषयवार आयोजन किया जा रहा है। दूसरे दिन रविवार को (जीके) सामान्य ज्ञान विषय का पेपर हुआ, जिसमें 57.99 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड द्वितीय (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा 2024 की विषय परीक्षा में दूसरे दिन भी जारी है। दूसरे दिन पहली पारी में जीके एंड एजुकेशनल साइकोलॉजी का पेपर हुआ और 4 लाख 70 हजार 116 में से 2 लाख 72 हजार 637 कैंडिडेट्स शामिल हुए। 1 लाख 97 हजार 479 अनुपस्थित रहे।

पतंग लूटने के दौरान दो सगे भाइयों में से एक की मौत

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना क्षेत्र के टीचर्स कॉलोनी में पतंग लूटने के दौरान हाईटेंशन लाइन से लटके चाईनीज मांझे की डोर को छूने से करंट की चपेट मे आने से बड़े भाई की मौत हो गई। वहीं घटनास्थल पर थोड़ी दूरी पर खड़े छोटे भाई को भी करंट का झटका लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बिजली विभाग मे फोन कर लाइट को बंद कराया गया।

महावीर नगर थानाधिकारी महेन्द्र मारू ने बताया कि इलाके के टीचर्स कॉलोनी में नाले के समीप दो बच्चों के करंट की चपेट में आने की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंचे और बच्चों को रेस्क्यू कर उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। महावीर नगर थानाधिकारी महेन्द्र मारू ने बताया कि मध्यप्रदेश के झाबुआ हाल एलआईसी बिल्डिंग के पास टापरी बनाकर रह रहे हरिया का बड़ा बेटा करण (11) एवं छोटा बेटा राहुल (9) दोनों पिता के मजदूरी पर चले जाने के बाद पतंग लूटते हुए टीचर्स कॉलोनी में नाले पर पहुंचे, जहां 33 केवी विद्युत लाइन के तारों पर पतंग फंसी हुई थी और पतंग की डोर नीचे लटकी हुई थी, जैसे ही करण ने डोर को पकड़ा तो उसे जोरदार करंट लगा और वह गिर गया।

वहीं दूरी पर खड़े राहुल को भी करंट का झटका लगा। थानाधिकारी ने बताया कि दोनों बच्चों को उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद करण को मृत घोषित कर दिया। मृतक बालक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं छोटा भाई सुरक्षित है।

समारोह में प्रतिभाओं और भामाशाहों का सम्मान

200 से अधिक प्रतिभाओं सहित 25 भामाशाहों का सम्मान किया

झुंझुनूं, (निसं)। रविवार को कुम्हार समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आईएएस पवन कुमार प्रजापति के आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि एएसपी मोहनलाल दादरवाल, संयुक्त वित्त सचिव रणवीर गुरी तथा ईओ रामनिवास कुमावत आदि ने शिरकत की। कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। वहीं 25 के करीब भामाशाहों का भी सम्मान किया गया।

कुम्हार कर्मचारी एवं समाजसेवा समिति के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में होली के बाद समाज के छात्रावास निर्माण का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया गया। समिति अध्यक्ष हरिराम दादरवाल ने बताया कि समाज के विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल बनाने का कार्य अब जल्द शुरू होगा। इसके लिए अब तक 40 लाख रूपए इकट्ठा किया जा चुका है। इसके अलावा लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए भी चर्चा की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज, परिवार और व्यक्ति की तरक्की शिक्षा पर ही आधारित होती है, इसलिए समाज के युवाओं को शिक्षित बनाने और उच्च शिक्षा दिलाने में हमें मिलकर सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सहीराम ने की।

कार्यक्रम में प्रवीण कुमावत, जेपी कुमावत, महेंद्र चंदवा, एडवोकेट रामेश्वर भी बातैर अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम में राजेंद्र सनोदिया मंडावा, पंकज किरोड़ीवाल, विनोद कुमार, वीरेंद्र, डॉ. राजेंद्र कुमावत, संतोष कुमावत, नरेंद्र बागोरिया, महेंद्र कुमार, हीरालाल, हरिश कुमावत, मुरारीलाल बागोरिया, बिहारीलाल कोलसिया, कृष्ण कुमार, गोविंद कुंडलवाल, परशुराम कुंडलवाल, ऋषिपाल किरोड़ीवाल, महेंद्र दादरवाल, श्रीराम गुरी, निर्मल घोड़ेला, डॉ. ओमप्रकाश, रोहिताश्व कुमार आदि मौजूद थे। संचालन डॉ. रामचंद्र ने किया।

कुम्हार समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं व भामाशाहों का सम्मान किया गया।

मेरे पिता ने केंद्र सरकार में 25 साल नौकरी की थी और जब मैं कुछ भी नहीं था। मैंने राज्य-स्तरीय क्रिकेट भी नहीं खेला था, तब पहला व्यक्ति जिसने मुझ पर विश्वास किया वह मेरे पिता थे।

- नीतीश कुमार रेड्डी

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश, अपने पिता के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह

मेलबर्न टेस्ट के चौथे दिन ऑस्ट्रेलियाई बॉलर्स नाथन लॉयन और स्कॉट बोलैंड ने आखिरी विकेट के लिए 55 रन जोड़े। इस साझेदारी की मदद से टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। स्टंप्स तक कंगारुओं की लीड 333 रन हो गई। रविवार को रिकॉर्ड्स की सूची में जसप्रीत बुमराह का नाम टॉप पर रहा। बुमराह 20 से कम की औसत से 200 टेस्ट विकेट लेने दुनिया के वाले पहले बॉलर हैं। वह देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा 142 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर दुनिया में सबसे ज्यादा 28 बार नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं. सचिन तेंदुलकर टेस्ट में 18 और वनडे क्रिकेट में 10 बार नर्वस नाइंटीज का शिकार हुए हैं।

राज्य स्तरीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप

समायरा महिला व हर्ष पुरुष वर्ग के चैंपियन

जयपुर, 29 दिसंबर। जयपुर में संपन्न हुई पांच दिवसीय राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पुरुष एकल मुकाबले में हर्ष श्रीवास्तव ने अनुक्रम जैन को 4-1 से परास्त कर खिताब पर कब्जा किया वहीं महिला एकल मुकाबले में समायरा शर्मा जयपुर ने समृद्धि व्यास जयपुर को चार तीन से परास्त कर खिताब जीता। बालक वर्ग-19 में जयपुर के देवांश मुद्गल ने यथार्थ कोटा को 4-2 से परास्त कर खिताब जीता, वही बालिका वर्ग-19 में जयपुर की समृद्धि व्यास ने जयपुर की ही समायरा शर्मा को 4-3 से परास्त कर खिताब जीता। समारोह के मुख्य अतिथि राकेश ओझा ज्योतिषाचार्य रहे व अध्यक्षता जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष ललित सिंह ने की तथा साथ ही आयोजन सचिव सचित गुप्ता भी मौजूद रहे।

जम्मू कश्मीर खो-खो एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल उपराज्यपाल से मिला

जम्मू, 29 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर खो-खो एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष डॉ. बलजिंदर कौर के नेतृत्व में रविवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। आज यहां हुई मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उपराज्यपाल को खो-खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह के लिए निमंत्रण दिया। उल्लेखनीय है कि 13 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली खो खो विश्वकप का आयोजन किया जाएगा।

पद्मश्री अजय ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी को कहा अलविदा

शिमला, 29 दिसंबर। हिमाचल प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी स्टार और पद्मश्री पुरस्कार विजेता अजय ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय कबड्डी से संन्यास की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने यह बड़ा फैसला लिया। उन्होंने वीडियो के माध्यम से यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब काफी कबड्डी खेल चुके हैं और युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देना चाहते हैं। अजय ठाकुर ने अपने संन्यास का कारण अपनी शारीरिक इंजरी को भी बताया, जिनकी वजह से वे अब खेल को जारी रखने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, देश में अब युवा प्लेयर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि वे भारत का नाम और भी ऊंचा करेंगे। अजय ठाकुर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेडर के रूप में भारतीय कबड्डी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वह भारतीय टीम के कप्तान भी रहे और अपनी नेतृत्व क्षमता के लिए जाने गए। उनके शानदार खेल के लिए उन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया। वर्तमान में वह हिमाचल पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद पर तैनात हैं और ऊना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अपने खेल करियर को विराम देने के बाद भी अजय ठाकुर खेल से जुड़े रहेंगे। दभोटा में उनकी कोहिनूर स्पोर्ट्स कबड्डी अकादमी में युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उनका उद्देश्य युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार करना है। अजय ठाकुर मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में भारतीय टीम के कप्तान के रूप में खेल रहे थे। शनिवार को मैच के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी संन्यास की घोषणा की। उनकी इस घोषणा के बाद खेल जगत से जुड़े लोग उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनके योगदान को याद कर रहे हैं।

हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीती

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। भारत की कोनेरू हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीत लिया है। न्यूयॉर्क में खेले गए इस टूर्नामेंट में हम्पी ने फाइनल में इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया।इससे पहले हम्पी ने साल 2019 में जॉर्जिया में हुए इस चैंपियनशिप को जीता था। भारत की नंबर 1 खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। हम्पी नेशनल बॉयज टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। वे ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। वे 2600 ईएलओ पॉइंट हासिल करने वाली सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनके पिता अशोक कोनेरू ने 5 साल की उम्र में उनकी प्रतिभा को पहचान लिया था। अशोक भी शतरंज खेलते थे। उन्होंने हम्पी को ट्रेनिंग दी। अशोक प्रोफेसर थे। बेटी के शतरंज के सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी और हम्पी को ट्रेनिंग देने लगे। 6 और 7 साल की उम्र में हम्पी ने स्टेट चैंपियनशिप जीत ली। इसके बाद अंडर-12, 14, 16 की नेशनल चैंपियन बन गईं। चेस में इस साल भारत का प्रदर्श प्रदर्शन बेहतर रहा है। डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 12 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में 7.5-6.5 से हराया था। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। वहीं सितंबर में हंगरी के बुडापेस्ट में हुए चेस ओलिंपियाड में भारत ने ओपन और विमेंस कैटेगरी में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। ओलिंपियाड के 97 साल के इतिहास में भारत ने दोनों कैटेगरी में पहली बार ही पहला स्थान हासिल किया। 11वें राउंड की ओपन कैटेगरी में भारत ने स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 के अंतर से ही आखिरी राउंड हराया।

लाबुशेन, कमिंस और लायन ने दिलाई ऑस्ट्रेलिया को बड़ी बढ़त

मेलबर्न, 29 दिसंबर। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को ऑस्ट्रेलियाने दूसरी पारी में मार्नस लाबुशेन(70), कप्तान पैट कमिंस (41) और नेथन लायन (नाबाद 41) की उपयोगी पारियों की बदौलत दिन का खेल समाप्त होने के समय नौ विकेट पर 228 रन बना लिये है। इसी के साथ उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो गई हैं।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने अपना पहला विकेट 20 के स्कोर पर सैम कोंस्टास (आठ) के रूप में गंवाया है। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड आउट किया। 19वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा (21) को बोल्ड आउट किया। भोजनकाल तक ऑस्ट्रेलिया ने 53 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये है हालांकि ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 158 रन हो चुकी है। 33वें ओवर में सिराज ने स्टीव स्मिथ (13) को पंत के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में बुमराह ने ट्रेविस हेड (एक) को भी विदा कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। इसी के साथ बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में अपने दो विकेट पूरे कर लिये। इसके बाद बुमराह ने मिचेल मार्श (शून्य) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पांचवा झटका दिया। 36वें ओवर में बुमराह ने एलेक्स कैरी (दो) को बोल्ड कर अपना चौथा शिकार किया।

ऑस्ट्रेलिया का सातवां विकेट मार्नस लाबुशेन के रूप में गिरा। उन्होंने मोहम्मद सिराज ने पगबाधा आउट किया।

लाबुशेन ने 139 गेंदों में तीन चौकों की मदद से (70) रनों की पारी खेली। आठवां विकेट मिचेल स्टार्क (पांच) का रन आउट के रूप में गिरा। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने कप्तान पैट कमिंस को (41) के स्कोर पर चलता कर दिया। नेथन लायन और स्कॉट बोलैंड ने 10वें विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए को स्कोर दो सौ रनों के पार पहुंचा दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 82 ओवरों में नौ विकेट पर 228 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 333 रनों की हो गई हैं। नेथन लायन (नाबाद 41) और स्कॉट बोलैंड (नाबाद 10) रन बनाकर क्रीज पर हैं।

भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज को तीन विकेट मिले। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने कल के नौ विकेट पर 359 रन आगे खेलना शुरु किया। भारतीय टीम कल के स्कोर में दस रन का इजाफा कर पहली पारी 369 रनों के स्कोर पर सिमट गई है। नेथन लॉयन ने नीतिश कुमार रेड्डी को आउट किया। रेड्डी ने 189 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए (114) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 105 रनों की बढ़त हासिल हुई थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और नेथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन का स्कोर बनाया था।

भारत को मेलबर्न-सिडनी टेस्ट जीतने ही होंगे

मेलबर्न, 29 दिसंबर। भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के फाइनल में जगह बनाने के लिए मेलबर्न और सिडनी टेस्ट जीतने ही होंगे। रविवार को साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को पहला टेस्ट हराकर फाइनल में जगह कन्फर्म कर ली। इसलिए अब भारत दोनों में से एक भी टेस्ट हारती है तो ऑस्ट्रेलिया के फाइनल खेलने के चांस बढ़ जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद फाइनल तक भारत को टेस्ट नहीं खेलना है। जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका का दौरा करना है। वहां टीम दो टेस्ट खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया को भी फाइनल में पहुंचने के लिए बचे हुए 4 में से 3 मैच तो जीतने ही होंगे।

भारत को मिल सकता है 350 का टारगेट भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मेलबर्न में खेला जा रहा है। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए, टीम पहली पारी में 105 रन से आगे थी, इसलिए उनकी बढ़त 333 रन की हो गई है।

पांचवें दिन अगर भारत ने कुछ रन देने के बाद 3 ओवर में भी आखिरी विकेट ले लिया तो टीम को 85 ओवर में करीब 350 रन का टारगेट मिल सकता है। इतना बड़ा टारगेट मेलबर्न में आज तक किसी भी टीम ने हासिल नहीं किया। टीम इंडिया अगर यहां जीत गई तो 58.33 पॉइंट्स के साथ टेबल में ऑस्ट्रेलिया को पीछे कर दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगी।

भारत को सिडनी टेस्ट भी जीतना ही पड़ेगा ऑस्ट्रेलिया अगर मेलबर्न में हार गया तो 55.21 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। भारत को फिर भी फाइनल में जगह कन्फर्म करने के लिए सिडनी टेस्ट भी जीतना होगा। पॉइंट्स में जानते हैं, पांचवें टेस्ट के नतीजे से भारत के पॉइंट्स पर क्या असर होगा?

नाओमी ओसाका ने कहा, अगर नतीजे नहीं आए तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी

वेलिंगटन, 29 दिसंबर। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर उनके नतीजे उनकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। जापान की 27 वर्षीय खिलाड़ी अक्टूबर में चाइना ओपन में लगी पीठ की चोट के बाद वापसी करते हुए अपना पहला मैच सोमवार को ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में खेलेंगी जिसमें पहले दौर में उनका सामना इस्त्राइल की लिना ग्लूश्को से होगा। ओसाका ने रविवार को ऑकलैंड में टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 2024 में उन्होंने

अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया और वह सत्र का अंत 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहे। " उन्होंने कहा, "मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं लेकिन मैं अभी अपने जीवन के जिस मुकाम पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक निश्चित रैंकिंग से ऊपर नहीं हूं तो मैं खुद को खेलते हुए नहीं देखूंगी।" ओसाका ने कहा, "अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं अपनी बेटी के साथ समय बिताना पसंद करूंगी। " ओसाका का 2024 में जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22-17 रहा जिसमें वह दोहा और नीदलैंड में हुए टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल तक पहुंची।

चोटिल जॉश इंग्लिस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से हुए बाहर

मेलबर्न, 29 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस पिंडलियों में आये खिंचाव के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन स्थानापंन्न खिलाड़ी के रूप में क्षेत्ररक्षण के इंग्लिस को पिंडलियों खिंचाव महसूस हुआ। इस कारण वह सिडनी टेस्ट नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलिया जल्द ही उनकी जगह किसी दूसरे खिलाड़ी के नाम घोषणा कर सकता है। इस चोट के कारण अब जॉश इंग्लिस के इस सीजन बीबीएल में खेलने पर संदेह है। ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद है कि वह अगले महीने के अंत में होने वाले श्रीलंका टेस्ट दौरे तक फिट हो जाएंगे।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों में खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया : जोकोविच

ब्रिसबेन, 29 दिसंबर। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड' अपनाने की आलोचना की। जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है।

जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने' पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'बिसबेन इंटरनेशनल' के युगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं। हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है।"

उन्होंने कहा, "कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया।" इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने सिनर और पूर्व महिला विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक दोनों पर साल की शुरुआत में डोपिंग रोधी उल्लंघन का आरोप लगाया था। सर्बियाई खिलाड़ी ने डोपिंग उल्लंघनों के संबंध में टेनिस अधिकारियों की ओर से पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त बच्चों को साइकिल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया

जयपुर, 29 दिसंबर। गांधी पथ स्थित कैम्ब्रिज कैम्पस वर्ल्ड स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 600 से ज्यादा बच्चों ने मंच पर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मदन कपूरिया, पुलिस अधीक्षक, जयपुर और हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, वुशु गेम, उपस्थित रहे। बच्चों ने बहुत ही रंगीन और शानदार प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें जंगल बुक, सर्कस, भगत सिंह और रानी लक्ष्मी बाई की प्रदर्शन शामिल थीं। कार्यक्रम में उपस्थित माता-पिता और अन्य सभी दर्शकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की खूब सराहना की। इसके साथ ही, स्कूल के विद्यार्थिों को उनके अकादमिक और खेल प्रदर्शन के लिए पुरस्कार भी दिए गए। स्कूल के निदेशक शिवराम चोपड़ा और हीरानंद कटारिया ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त करने वाले बच्चों को साइकिल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर माता-पिता के लिए भी खेलों और क्विज का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

67वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशीप प्रतियोगिता

50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन में संदीप बिश्नोई ने स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 29 दिसंबर। डा. करणीसिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद नई दिल्ली में आयोजित 67वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशीप प्रतियोगिता राईफल 2024 में महावीर सिंह ने 25 मीटर स्टेण्डेड पिस्टल मास्टर मैन केटेगिरी में व्यक्तिगत व जुनियर पुरूष मैन केटेगिरी में अभिनव चौधरी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किये।

50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन में संदीप बिश्नोई ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। राजस्थान पुलिस के नरेश कुमार ने 10 मीटर एयर राईफल में व्यक्तिगत सिल्वर मेडल व 50 मीटर राईफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक अपने नाम किया। 50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन नेशनल चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में सन्दीप बिश्नोई, योगेश कुमार व उमेश चौधरी की जोडी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 50 मीटर पिस्टल जूनियर मैन सिविलियन चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में योगेश कुमार, भूपेन्द्रसिंह शेखावत व भानू प्रताप सिंह की जोडी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

50 मीटर पिस्टल मैन नेशनल चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में संदीप बिश्नोई, ओमप्रकाश मिठारवाल व उमेश चौधरी की जोडी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। 25 मीटर स्टेण्डेड पिस्टल जूनियर मैन नेशनल चैम्पियनशीप टीम केटेगिरी में अभिनव चौधरी, योगेश कुमार व चन्द्रराज की जोडी ने सिल्वर पदक अपने नाम किया। 50 मीटर पिस्टल मैन सिविलियन चैम्पियनशीप टीम कंटेगिरी में योगेश कुमार, पवन कुमार शर्मा व हेमन्त लिडान की जोडी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 25 मीटर स्टेण्डेड पिस्टल जूनियर मैन सिविलियन चैम्पियनशीप में सोमिल चौधरी, नवद्वीप जटराना व योगेश कुमार की जोडी ने कांस्य पदक हासिल किया।

पाकिस्तान को हरा दक्षिण अफ्रीका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में

सेंचुरियन, 29 दिसंबर। दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को खेले गये पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। दक्षिण अफ्रीका ने 11 मैचों में सात जीत दर्ज करते हुए प्रतिशत 66.67 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। इसी के साथ दूसरे फाइनलिस्ट के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। दक्षिण अफ्रीका ने आज कगिसो रबाडा (31), मार्कं यानसन (16) की जूझारु और कप्तान तेम्बा बवूमा (40) तथा एडन मारक्रम (37) की महत्वपूर्ण पारियों की बदौलत पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने कल के तीन विकेट पर 27 रन से आज आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में मोहम्मद अब्बास ने एडन मारक्रम को बोल्ड कर पाकिस्तान को चौथी सफलता दिलाई। मारक्रम ने 63 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (37) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेविड बेडिंघम ने कप्तान तेम्बा बवूमा के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 34 रन जोड़े। अब्बास ने बवूमा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। बवूमा ने (14) रन बनाये। इसके बाद नसीम शाह ने काइल वेरेन (दो) को अपना शिकार बना लिया। आठवें विकेट के रूप में कॉर्बिन बॉश (शून्य) को मोहम्मद अब्बास ने आउट किया।

एक समय जब दक्षिण अफ्रीका 116 रन पर आठ विकेट गिर गये तो ऐसा लगा रहा था। पाकिस्तान जल्द ही उसने ऑलआउट कर यह मुकाबला जीत लेगा। ऐसे समय में मार्कं यानसन और कगिसो रबाड़ा की जोड़ी ने जूझारू पारी खेली और टीम के लिए तेजी के साथ रन बनाये। मार्कं यानसन 24 गेंदों में (16) रन बनाकर और कगिसो रबाड़ा 26 गेंदों में (31) बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 39.3 ओवर में आठ विकेट पर 150 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से जीत लिया। एडन मारक्रम को उनकी 87 और 37 रनों की शानदार पारियों के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद अब्बास ने 19.3 ओवर में 54 रन देकर छह विकेट लिये है। खुर्रम शहजाद और नसीम शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। पाकिस्तान ने पहली पारी में 211 रन बनाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 301 का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने दूसरी पारी में 237 का स्कोर बनाते हुए दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में जीत के लिए 148 रनों का लक्ष्य दिया था।

जिम्बाब्वे बनाम अफगानिस्तान टेस्ट ड्रा की ओर

बुलावायो, 29 दिसंबर। रहमत शाह (234) के पहले दोहरे शतक और कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (नाबाद 179) की शानदार ऐतिहासिक पारियों के दम पर अफगानिस्तान ने पहले टेस्ट के चौथे दिन वर्षा बाधित मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन विकेट पर 515 रन बना लिये है। हालांकि अफगानिस्तान अभी भी जिम्बाब्वे के स्कोर से 71 रन पीछे है। अब केवल एक दिन का खेल शेष है ऐसे में यह टेस्ट मैच ड्रा की ओर जा रहा है। इस टेस्ट मैच में दोनों ही टीमों ने 500 से अधिक का स्कोर बना लिया है। जोकि इन दोनों टीमों के लिए ऐतिहासिक है। आज सुबह के सत्र में न्यामहुरी ने रहमत शाह को आउट कर जिम्बाब्वे को तीसरी सफलता दिलाई। अफगानिस्तान के लिए रहमत शाह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 424 गेंदों में 23 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 234 रनों की पारी खेली। इसके साथ ही रहमत अफगानिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बारिश के कारण आज दिन खेल रद्द किये जाने के समय अफगानिस्तान ने 156 ओवर में तीन विकेट पर 515 रन बना लिये है और कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी 367 गेंदों में (नाबाद 179) रन बनाकर और अफसर जजाई (नाबाद 46) रन पर क्रीज पर है।

// विजय मर्चेंट अंडर-16 ट्रॉफी //

कर्णाटक के विरूद्ध राजस्थान संकट में

जयपुर, 29 दिसंबर। विजयवाड़ा (मंगलगिरि) में खेली जा रही बीसीसीआई अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में खेले जा रहे राजस्थान- कर्णाटक मैच के दूसरे दिन टीम के लिए अन्वय द्रविड़ ने 90 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज रजत बघेल 33 /3 , सुजल परमार 28 /2 , हर्ष सिंह 62 /2 , पुरु डेवाढवाल 51/2 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान पहली पारी में 123 आल आउट ओर टीम के लिए यथार्थ भारद्वाज 41, एकांश शर्मा 32 व पुरू डेवाढवाल नाबाद 10 रनो का योगदान दिया। कर्णाटक के गेंदबाज ध्यान हीरमठ 40 / 5 , गौरव वेंकटेश 20 /3 , सुकुरथ 21 / 2 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कर्णाटक ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 100 बना लिये थे। राजस्थान के गेंदबाज आदित्या वाधवा 18 /2 व एकांश शर्मा 36 /2 विकेट प्राप्त किये।

डब्ल्यूटीसी के फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में होगी प्रतिस्पर्धा

मेलबर्न 29 दिसंबर। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दूसरे फाइनलिस्ट के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका अपने-अपने मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने आज पाकिस्तान पर दो विकेट से जीत दर्ज कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में अपनी जगह बना ली है।

हाल में चल रहे मैचों के अनुसार इन तीनों टीमों की स्थिति इस प्रकार है। भारत को बिना किसी बाहरी सहायता के डब्ल्यूटीसी के फाइनल में जगह बनाने के लिए शेष दोनों मैच जीतने होंगे। ऐसी स्थिति में भारत अंक तालिका को 60.53 पर समाप्त करेगा और अगर इसके ऑस्ट्रेलिया इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ अपने शेष दोनों मैच जीत भी जाता है तब भी वह 57.02 प्रतिशत अंक तक ही पहुंच पाएगा।

अगर भारत एक टेस्ट मैच जीतता है और एक टेस्ट ड्रॉ होता है तब 57.02 प्रतिशत अंक के साथ फाइनल में पहुंचने से वंचित रह सकता है क्योंकि अगर ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका को 2-0 से हरा देता है तब ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया के पास 58.77 प्रतिशत अंक हो जाएंगे। अगर भारत 57.02 अंक के साथ भी फाइनल में पहुंचना चाहेगा तब उसे यह उम्मीद करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका के खिलाफ 16 से अधिक अंक अर्जित ना कर पाए जिसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका को एक मैच में हरा देता है तब भारत को यह उम्मीद करनी होगी कि श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच कम से कम ड्रॉ करा ले।

यदि भारत अगले दो मैचों में से एक मैच जीतता और एक हारता है तब ऐसी स्थिति में उसके पास 55.26 प्रतिशत अंक होंगे और वह चाहेगा कि श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया को 1-0 के अंतर से हरा दे। यदि भारत के दोनों मैच ड्रॉ पर समाप्त होते हैं तब ऐसी स्थिति में उसके पास 53.51 प्रतिशत अंक होंगे। श्रीलंका 2-0 की जीत के साथ इस आंकड़े को पार कर सकता है जबकि ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए एक मैच में जीत चाहिए होगी। अगर भारत का एक मैच ड्रॉ होता है और एक मैच वो हार जाता है तब ऐसी स्थिति में उसके पास 51.75 प्रतिशत अंक होंगे और ऐसी स्थिति में वह फाइनल की दौड़ से पूरी तरह से बाहर हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया यदि भारत के खिलाफ दोनों मैच जीत लेता है तब वह श्रीलंका के खिलाफ 2-0 से हारने की स्थिति में भी फाइनल में पहुंच जाएगा क्योंकि श्रीलंका के खिलाफ हारने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया के पास 57.02 प्रतिशत अंक होंगे। भारत के खिलाफ एक मैच जीत और एक ड्रॉ भी उन्हें श्रीलंका से 2-0 से हारने के बाद भी भारत से आगे रखेगा लेकिन ऐसे में श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया से आगे हो जायेगा। ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ एक मैच जीतता है और एक मैच हार जाता है तब उसे भारत से आगे रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ कम से कम एक मैच जीतना होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ आगामी बजट की तैयारियों पर चर्चा की। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ऋतु बनावत आदि मौजूद रहे।

'ई.आर.सी.पी. परियोजना पूर्वी राजस्थान का कायापलट कर देगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भरतपुर संभाग के विधायकों से कहा, सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभायें

- मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा संचालित पंच गौरव कार्यक्रम से अपने क्षेत्र को लाभांवित करने के लिये विधायकों का आव्हान किया।

जयपुर, 29 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संशोधित केपीसी-ईआरसीपी का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। यह परियोजना पूर्वी राजस्थान का कायापलट कर देगी। इस परियोजना के वरदान के फलस्वरुप, पूर्वी राजस्थान में अपूर्व उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र की जनआकांक्षाओं को पूरा करते हुए, प्रदेश के विकास को गति प्रदान करना राज्य सरकार का लक्ष्य है। इसी दिशा में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की भावना के साथ सभी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, पानी, बिजली, सड़क आदि मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों की बजटीय घोषणाएं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भरतपुर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधायक, सरकार एवं जनता के बीच की अहम कड़ी है। ऐसे में सभी विधायक क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद करने से लेकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन तक सक्रिय जनप्रतिनिधि की भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने भरतपुर संभाग के विधायकों से विधानसभावार बजट घोषणाओं की अनुपालना में होने वाले विकास कार्यों की वित्तीय स्वीकृति, भूमि आवंटन और प्रगतिरत कार्यों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विधायकों से कहा कि क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप आगामी बजट में शामिल किए जाने वाले जनहित के विकास कार्यों के सुझाव भी देवें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एक उपज, एक उत्पाद, एक प्रजाति, एक पर्यटन एवं एक खेल को बढ़ावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित जिले में इन श्रेणियों में चयनित तत्वों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि इनके संरक्षण और प्रोत्साहन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना तथा मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों के संचालन के संबंध में भी विधायकों से विस्तृत चर्चा की।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय उद्योगों का क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होता है। इसी कड़ी में हाल ही में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत जिला स्तर पर भी एमओयू किए गए हैं। उन्होंने विधायकों से कहा कि समिट के दौरान हुए एमओयू की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, ताकि समय पर इनकी क्रियान्विति सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक जगत सिंह, डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह, जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह, हंसराज मीना एवं डॉ. ऋतु बनावत उपस्थित रहे।

केन्द्र नौ जनवरी तक डल्लेवाल से बात करे

हिसार, 29 दिसंबर। हरियाणा में हिसार जिला के बास गांव में हुई हरियाणा की 102 खाप पंचायतों की महापंचायत ने केन्द्र सरकार को आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल से बातचीत करने के लिए नौ जनवरी तक का अल्टीमेटम दे दिया है। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसी दिन यानी नौ जनवरी को मुजफ्फरनगर में देश की सभी खापों की महापंचायत बुलाई जाएगी, जिसमें कड़े फैसले लिए जाएंगे। खाप प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर

- हरियाणा की महापंचायत ने अल्टीमेटम दिया कि वरना नौ जनवरी को मुज्जफर नगर में पूरे देश के खापों की महापंचायत बुलाई जायेगी।

आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सांझी एकता के लिए बुलाएंगे, तो खापों की 18 मेंबरी कमेटी सबको एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए जाएगी।

इस महापंचायत में कांग्रेस नेता पहलवान बजरंग पूनिया भी पहुंचे। उन्होंने महापंचायत में कहा कि सरकार का काम आपस में फूट डालने और आंदोलन को तोड़ने का है। जितने भी किसान संगठनों में मनमुटाव चल रहा है, वे बैठकर बात करें।

अगर आंदोलन जीतना है तो हमें इकट्ठा होना पड़ेगा। वहीं किसान नेता विकास सिसर ने कहा कि भाषण देने से किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की जान नहीं बचेगी। जब तक अपने नेताओं के ऊपर विश्वास करना नहीं सीखोगे, तब तक इस आंदोलन की जीत नहीं हो सकती। देशवाल खाप प्रतिनिधि राम पाल सिंह देशवाल ने कहा कि हम सभी को एक नेता चुनना होगा और फिर आंख बंद कर उस एक नेता पर विश्वास करना होगा।

वैष्णो देवी रोपवे के खिलाफ पाँचवे दिन भी बंद रहा

उपमुख्यमंत्री सुरिन्दर चौधरी ने रोपवे प्रोजैक्ट के फैसले को गलत बताया

रियासी, 29 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ बंद रविवार को 5वें दिन भी जारी है। 18 प्रदर्शनकारियों को कटरा पुलिस ने 3 दिन पहले गिरफ्तार किया था, जिनकी रिहाई की मांग के लिए 5 अन्य प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही है।

इस बीच, उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा- रोपवे प्रोजेक्ट का फैसला गलत है। यदि कटरा के लोग रोपवे परियोजना नहीं चाहते हैं, तो श्राइन बोर्ड और एलजी को उनकी बात सुननी चाहिए और समस्याएं हल करनी चाहिए, क्योंकि इससे 40 हजार लोगों

- श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के लिये 12 किलोमीटर मार्ग पर 250 करोड़ रूपये का रोपवे बना रहा है। व्यापारियों का कहना है, इससे 40 हजार लोगों का रोजगार छिन जायेगा।

का रोजगार छिन जाएगा।

दरअसल, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के मंदिर जाने के लिए कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से रोपवे का निर्माण करवा रहा है।

अभी तक वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले ही मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एल जी) मनोज सिन्हा ने कहा था- 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि यह जनवरी तक पूरा हो जाएगा। कटरा में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा था कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा घोषित रोपवे परियोजना का उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिए तेज और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना है। रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ चले प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूटीबी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख का मुआवजा देने की मांग की थी। साथ ही, प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए भी कहा।

'पंजाब में ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंडियां, अनाज मंडियां और अन्य व्यावसायिक दुकानें भी नौ घंटे के लिए बंद रहेंगी। बार एसोसिएशन फगवाड़ा के अध्यक्ष करणजोत सिंह झिक्का और वरिष्ठ एडवोकेट ललित चोपड़ा ने आंदोलनकारी किसानों को पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है और केन्द्र और राज्य सरकार से किसानों की समस्याओं को हल करने और मानव जीवन को बचाने के लिए जल्द ही पहल करने की मांग की है। राजस्व पटवार यूनियन पंजाब ने पहले ही किसानों को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी है। भारतीय किसान यूनियन (दोआबा) के महासचिव सतनाम सिंह साहनी ने लोगों से सोमवार के पंजाब बंद में सहयोग करने और भाग लेने की अपील की है।

ओडिशा की बाघिन भटक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की मंजूरी मिलने के बाद उसे पकड़ने का अभियान फिर से शुरू किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के मुख्य वन्यजीव वार्डन, देबल रॉय ने कहा कि बाघिन को बांकुरा जिले के गोपालपुर जंगल में उसी स्थान पर ट्रैप किया गया था, जहां वह शनिवार की रात को देखी गई थी। बाघिन को पकड़ने के लिए दोहरे जाल से उसे घेर दिया गया है और जाल की परिधि को छोटा कर दिया गया है, ताकि उसे काबू किया जा सके।

रॉय ने बताया, "बाघिन को रविवार तड़के 1:20 बजे बेहोशी की दवा दी गई थी, लेकिन दवा का असर नहीं हुआ। इसके बाद सुबह 4:30 बजे तक दवा देने का अभियान रोकना पड़ा, क्योंकि दवा की अधिकतम सीमा तय होती है। बाघिन अत्यधिक उत्तेजित अवस्था में है, जिससे उसे बेहोश करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।" रॉय ने बताया कि जीनत को फिलहाल कुछ आराम दिया गया है। घटनास्थल पर तीन पशु चिकित्सक मौजूद हैं और वे स्थिति का आकलन कर रहे हैं। जैसे ही चिकित्सकों से मंजूरी मिलती है, बाघिन को बेहोश करने के प्रयास फिर से शुरू किए जाएंगे।

बाघिन जीनत को पिछले महीने महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी बाघ अभ्यारण्य से ओडिशा के सिमलीपाल में भेजा गया था, जहां उसे बाघों की जनसंख्या में नए जीन जोड़ने के उद्देश्य से लाया गया था। हालांकि, उसने ओडिशा के सिमलीपाल से भटककर 27 दिसंबर को बंदवान से लगभग 15 किलोमीटर का सफर तय कर मनबाजार ब्लॉक के जंगल में शरण ली थी, जहां वह 24 से 26 दिसंबर के बीच छिपी हुई थी। झारखंड से आने के बाद वह लगभग एक सप्ताह से पश्चिम बंगाल में है। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि सिमलिपाल छोड़ने के बाद, नए इलाके की तलाश में बाघिन ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के जंगलों में घूमते हुए 120 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है। अभी तक उसके सिमिलिपाल बाघ अभ्यारण्य में वापस लौटने के कोई संकेत नहीं दिखाई दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से कम दूरी की यात्रा कर रही है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन लगाए गए हैं, लेकिन घने जंगल के कारण निगरानी प्रभावित हो रही है।

इज़रायल के मिसाइल हमले में नौ फिलिस्तीन मरे

गाजा, 29 दिसंबर। मध्य गाजा पट्टी में माघाज़ी शरणार्थी शिविर में शनिवार को एक घर पर इज़रायली हवाई हमले में कम से कम नौ फ़िलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। फ़िलिस्तीनी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक इज़रायली विमान ने माघाज़ी शिविर के बाहरी इलाके में एक घर पर कम से कम एक मिसाइल से बमबारी की। मध्य गाजा के डेर अल-बलाह शहर में अल-अक्सा अस्पताल के प्रवक्ता हुसाम अल-दकरान ने बताया कि हवाई हमले के बाद बच्चों और महिलाओं सहित नौ लोग मारे गए और कई घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया। इज़रायली सेना ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

इज़रायली सेना के प्रवक्ता अविचे एड्राई ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इज़रायली सेना ने बेत हनौन क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ़ रात में कार्रवाई शुरू की, क्योंकि उन्हें इस क्षेत्र में कई आतंकवादियों और आतंकवादी सुविधाओं की मौजूदगी के बारे में पहले से ही खुफिया जानकारी थी।

बयान के अनुसार, सेना के प्रवेश करने से पहले इज़रायली लड़ाकू विमानों ने तोपखाने की गोलाबारी के साथ मिलकर क्षेत्र में कई आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें आतंकवादी जमावड़े के स्थान और हमास आतंकवादी संगठन से संबंधित अन्य आतंकवादी सुविधाएँ शामिल हैं।

- अस्पताल के प्रवक्ता ने दावा किया कि मकान पर हमले में मरने वालों में महिलायें व बच्चे भी थे।
- इज़रायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें आतंकवादियों और आतंकवादी सुविधाओं की मौजूदगी पर खुफिया जानकारी थी।

उल्लेखनीय है कि इज़रायल सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए गाजा में हमास के खिलाफ़ बड़े पैमाने पर आक्रमण कर रहा है, जिसके दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बनाए गए।

ट्रम्प ने किया एच-1बी वीज़ा का समर्थन

वॉशिंगटन, 29 दिसंबर। अमेरिका में अब तक एच-1बी वीजा का विरोध कर रहे डोनाल्ड ट्रम्प ने पलटी मार ली है। ट्रम्प ने कहा कि वे इसका समर्थन करते हैं। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा कि मैं हमेशा से इस वीजा के सपोर्ट में रहा हूं। ट्रम्प के यह बयान इस साल नवंबर में उनके इलेक्शन कैंपेन के दौरान दिए गए बयान से एकदम उलट है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान, ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को देश से निकालने और वीजा पॉलिसी को सख्त बनाने की बात कही थी।

- ट्रम्प के आलोचक उनके इस बयान को उनके "सख्त वीज़ा पॉलिसी" के पूर्व बयान से यू-टर्न लेना मान रहे हैं

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वे "एच-1बी" वीजा में विश्वास करते हैं, उन्होंने योग्य पेशेवरों के विरोध को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने शनिवार को न्यूयॉर्क पोस्ट को एक फोन साक्षात्कार में बताया।

ओडिशा में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, चार की मौत, 40 घायल

कोरापुट, 29 दिसंबर। ओडिशा के कोरापुट जिले में रविवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बस के पलट जाने से चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 40 अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ये बस करीब 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर जा रही थी। इस दौरान चालक ने बस से अपना नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई।

पुलिस ने बताया कि यह हादसा कोरापुट जिले के बोइपारीगुडा थाना क्षेत्र में हुआ। यहां के गुप्तेश्वर के पास डोकरीघाट में तड़के करीब साढ़े पांच बजे बस पलट गई। पुलिस के मुताबिक, बस कटक के नियाली से लगभग 50 श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तेश्वर मंदिर जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं। इसके बाद आनन-फानन में घायल यात्रियों को बचाया गया और उन्हें बोइपारीगुडा अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अधिकारियों ने बताया कि ऐसी आशंका जताई जा रही है कि पहाड़ी सड़क के कठिन मोड़ पर वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में एक 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से कई ने अपने हाथ और पैर खो दिए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा भी की।

- कटक से 50 श्रद्धालुओं को गुप्तेश्वर मंदिर ले जा रही बस कोरापुट जिले के बोइपारिगुडा थाना क्षेत्र में पलटी
- मुख्यमंत्री माझी ने मृतकों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

कांग्रेस आत्म-निरीक्षण करे-शर्मिष्ठा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस की दुखद स्थिति पर पार्टी के भीतर गंभीर आत्मनिरीक्षण की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने रविवार को दावा किया कि देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का पतन हो चुका है। शर्मिष्ठा ने यह सवाल भी उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की कोई बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया गया?

शर्मिष्ठा ने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की बजाय गंभीरता से आत्मचिंतन करना चाहिए कि मेरे जैसा व्यक्ति, जो कांग्रेस की विचारधारा में अटूट विश्वास रखता था, आज पार्टी से अलग-थलग क्यों महसूस कर रहा है?

- उन्होंने कहा कि उनके पिता के निधन से सी.डब्ल्यू.सी. की मीटिंग क्यों नहीं हुई।

नवी मुंबई में पहली सफल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्यापन प्रक्रिया में आज इंडिगो एयरलाइंस का एक ए 320 विमान इस हवाई अड्डे की उड़ान पट्टी 08/ 26 पर उतारा गया।

हवाई अड्डे का विकास और परिचालक करने के लिए गठित कंपनी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, विमान के हवाई पट्टी की ओर आने और हवाई पट्टी पर उतरने की प्रक्रिया और प्रणालियों के सत्यापन के साथ इसे हवाईअड्डा विनियामक डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) से परिचालन का लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार, हवाई अड्डे पर पहले वाणिज्य विमान की सत्यापन उड़ान को देखने के लिए वहां डीजीसीए और उन एजेंसियों के अधिकारी भी उपस्थित थे। इंडिगो के विमान के हवाई पट्टी पर उतरने पर दोनों ओर से दो दमकल मशीनों द्वारा पानी की फुहार से परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर, वहां डीजीसीए के अधिकारियों के अलावा, भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, सीमा शुल्क, आव्रजन विभाग, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, महाराष्ट्र सरकार की एजेंसी सिडको, मौसम विभाग, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो और अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनी के अधिकारी और अन्य संबद्ध पक्षों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन विभिन्न एजेंसियों की उपस्थिति में हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान व्यवस्था के सफलतापूर्वक प्रमाणीकरण से यह संकेत मिलता है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय विमान मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है।

पटना में पेपर लीक पर छात्र आंदोलन ने जोर पकड़ा

गाँधी मैदान पर हजारों छात्र एकत्रित हुए, पुलिस ने कई जगह बैरिकेडिंग की

पटना, 29 दिसंबर। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) का पेपर लीक मामला अब तूल पकड़ता दिख रहा है। इसे लेकर आज छात्र पटना के गांधी मैदान में जुटे हुए हैं और लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, छात्रों के प्रदर्शन में जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर भी शामिल हुए हैं। बता दें कि छात्र सीएम आवास का घेराव करने वाले हैं। छात्र लगातार सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, पटना जिला प्रशासन ने आयोग के अधिकारियों से बातचीत की पेशकश की थी, लेकिन इसे छात्रों ने ठुकरा दिया था।

वहीं, अब पटना के गांधी मैदान में हजारों की संख्या में छात्र जुटे हुए हैं और सीएम आवास की ओर आगे बढ़ रहे हैं। छात्रों को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और जगह-जगह पर बैरिकेडिंग भी की गई है। इस बीच, छात्रों ने गांधी मैदान के करीब जेपी गोलम्बर के पहले लगी बैरीकैडिंग को तोड़ दिया और अब आगे बढ़ रहे हैं। वहीं, इसके 100 मीटर के आगे ही होटल मौर्या के पास एक और बैरीकैडिंग बनाई हुई है, जहां छात्रों को रोका गया है। जन सुराज नेता प्रशांत किशोर भी यहीं पर मौजूद हैं।

- जिला प्रशासन बिहार लोक सेवा आयोग के अधिकारी छात्रों के पाँच प्रतिनिधियों से बात कराना चाहता हैं। छात्र मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करने पर अडिग हैं।
- जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी आज छात्र आंदोलन में शामिल हुए।

पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने शनिवार को कहा कि प्रदर्शनकारियों को बातचीत के लिए अपने पांच प्रतिनिधियों को नामित करना होगा, जिसके बाद बीपीएससी (मुलाकात के लिए) "उचित समय के भीतर" निर्णय लेगा।

उन्होंने कहा, "जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को अपने प्रतिनिधियों (सभी परीक्षार्थी) की सूची देने को कहा है, ताकि हम इस मुद्दे पर बीपीएससी अधिकारियों के साथ उनकी बैठक करवा सकें।" उन्होंने कहा, "वे बैठक में आयोग के अधिकारियों को अपनी शिकायतों से अवगत करा सकते हैं। जिला प्रशासन भी प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को आश्वस्त करता है कि आयोग उचित समय के भीतर उचित निर्णय या रुख अपनाएगा।" सिंह ने कहा कि आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और वह अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।

दिल्ली पुलिस ने .....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। इसी ऑपरेशन के तहत, सभी थाना इलाकों में घर-घर जाकर पुलिस वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को पकड़कर एफआरआरओ की मदद से डिपोर्ट भी कर रही है।

वसंत कुंज थाना इलाके से दिल्ली पुलिस ने आठ बांग्लादेशियों को पड़कर डिपोर्ट किया है। पकड़े गए लोग बांग्लादेश के मदारीपुर जिले के रहने वाले हैं। ये सभी एक ही परिवार के हैं, जिनमें मां-बाप और उनके 6 बच्चे शामिल हैं।

वेरिफिकेशन कैंपेन में हर घर में जाकर पुलिस पड़ताल करती है। लोगों को वेरीफिकेशन फॉर्म, जिसे दिल्ली पुलिस की भाषा में पर्चा 12 कहा जाता है, दिया जाता है। यह उन लोगों को दिया जाता है, जो पश्चिम बंगाल या दूसरे राज्यों से आकर यहां बसने की बात बताते हैं। पुलिस उनके पश्चिम बंगाल के एड्रेस को वेरीफाई करवा रही है, ताकि अवैध बांग्लादेशियों का पता लगाया जा सके।

दरअसल, पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि अवैध बांग्लादेशी पहले पश्चिम बंगाल में दाखिल होते हैं और फिर वहां के फर्जी कागजात बनाकर दिल्ली आ जाते हैं। पुलिस जब पूछताछ करती है, तब यह अवैध बांग्लादेशी अपने आप को पश्चिम बंगाल का रहने वाला बताते हैं। इसके चलते, इन पर कार्रवाई करना पुलिस के लिए मुश्किल हो जाता है। इस वेरिफिकेशन के जरिए कई अवैध बांग्लादेशियों को पुलिस ने गिरफ्तार करके वापस बांग्लादेश भेजा है।

हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो इन अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के फर्जी कागजातों की मदद से आधार कार्ड बनवा रहे थे। दिल्ली पुलिस को आशंका है कि एजेंटों की मदद से हजारों बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान भारतीय नागरिक बनकर दिल्ली में रह रहे हैं।

पंजाब पुलिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डीजीपी यादव ने कहा कि दो आरोपियों को बरामदगी के लिए ले जाया गया, जहां हिरासत से बचने के लिए पुलिस टीम पर हमला करने पर, जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए। उन्हें बटाला के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पूरे आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करने के लिए जांच जारी है

गिरफ्तार किए गए लोगों से एक 9 एमएम ग्लॉक 26 पिस्तौल (ऑस्ट्रिया में निर्मित) और छह जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

'बॉर्डर पर बाहरी व आंतरिक खतरों का सामना करना पड़ता है'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों से देश के दुश्मनों पर कड़ी नज़र रखने की अपील की

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। केन्द्रीय रक्षा मंत्रीराजनाथ सिंहने कहा कि बॉर्डर के मामले में भारत बहुत भाग्यशाली नहीं है। देश को बाहरी और आंतरिक दोनों तरफ से खतरों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सेना को हमेशा सतर्क रहना होगा। दुश्मन हमेशा सक्रिय रहते हैं। रक्षा मंत्री इंदौर के महू छावनी में सेना के जवानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान सैन्यकर्मियों से आंतरिक और बाहरी दुश्मनों पर पैनी नजर रखने की अपील भी की। इससे पहले राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ महू में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने के लिए सेना की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

- महू छावनी में राजनाथ सिंह ने सैन्यकर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर देश बनाने में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

दो सदी से अधिक पुरानी महू छावनी में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मैं यहां आया और जिस अनुशासन और समर्पण के साथ आप प्रशिक्षण ले रहे हैं, उसे देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। आपका प्रशिक्षण किसी युद्ध से कम नहीं है। अनुशासन के इस स्तर को बनाए रखने के लिए समर्पण और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। वह देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों और छावनियों में साफ-सफाई से प्रभावित हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि महू का यह क्षेत्र अनेक कारणों से ऐतिहासिक महत्व रखताहै। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थान होने के कारण, यह क्षेत्र हम सबके लिए, किसी पुण्य भूमि से कम नहीं है। उनके जन्म स्थान होने के अलावा भी, यह क्षेत्र कई कारणों से महत्वपूर्ण है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908